मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90

वर्ष : 37

अंक : 110

भोपाल, मंगलवार

09 जून 2026

पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com

Email : amritdarshan@yahoo.com

03 विधायक ने दिखाई मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी

अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया 06

मध्यप्रदेश में कांग्रेस विधायकों की बाड़ाबंदी

180 सीटर स्पेशल प्लेन से उड़ान भरेंगे फैमिली के साथ जाएंगे बेंगलुरु

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के कांग्रेस विधायकों की बाड़ेबंदी की तैयारियां पूरी हो गई है। सभी 180 सीटर स्पेशल प्लेन से बेंगलुरु के लिए रवाना होंगे। सभी एमएलए अपनी फैमिली के साथ जाएंगे। प्रदेश में राज्यसभा सदस्य की तीसरी सीट पर कब्जा बरकरार रखने के लिए कांग्रेस पूरजोर मेहनत कर रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के भोपाल स्थित निवास पर विधायकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। कांग्रेस विधायक दिनेश जैन मुनमुन और सोहन वाल्मिकी ने आरोप लगाया कि विधायकों को बीजेपी बड़ा ऑफर दे रही है।

आरोप- भाजपा से आ रहे ऑफर

18 जून तक प्रदेश से बाहर रहेंगे कांग्रेस के विधायक

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के सरकारी निवास से सभी विधायक बसों से एयरपोर्ट के लिए रवाना होगे। यहां से दोपहर करीब 1 बजे के आसपास सभी स्पेशल प्लेन से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेंगे। 18 जून को राज्यसभा सदस्य के लिए चुनाव होगा। तब तक सभी प्रदेश से बाहर रहेंगे। कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन हैं।

महिला आरक्षण की बात करने वाले हराने में लगेः जीतू पटवारी

विधायकों के बाड़ेबंदी के बीच पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिला आरक्षण की बात करती है और वह खुद अब महिला को हराने की साजिश कर रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मन परिवर्तन होता तो जाते नहीं। सभी का मन कांग्रेस के साथ है।

कांग्रेस के वोट खतरे में

पिछले दिन दिल्ली हाई कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा उन्हें दी गई सजा के खिलाफ चल रहे मामले में अर्जेंट सुनवाई की अर्जी दी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था । लेकिन उनके वकील कपिल सिब्बल हाईकोर्ट नहीं पहुंचे, जिसके कारण सुनवाई नहीं हो सकी । अब कयास लगाए जा रहे हैं ,कि कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को राज्यसभा चुनाव में वोटिंग करने का मौका नहीं मिलेगा। इसी तरह से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहले ही दावा कर चुके हैं, कि बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे उन्हें ही वोट करेंगी । इस तरह से देखा जाए तो कांग्रेस के वोट खतरे में नजर आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

खान सर को राहत, पटना कोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

पटना। चर्चित कोचिंग विवाद और फायरिंग मामले में आरोपी बनाए गए मशहूर शिक्षक 'फैजल खान' उर्फ खान सर को अदालत से बड़ी राहत मिली है। आज यानी 9 जून मंगलवार को

उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने उन्हें अंतरिम संरक्षण देते हुए फिलहाल किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि खान सर का मामले में सीधे तौर पर कोई आपराधिक रोल नहीं है और उन्हें गलत तरीके से इस केस में शामिल किया गया है। वहीं, पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर और जांच से जुड़ी जानकारी कोर्ट के सामने पेश की गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जिला जज ने खान सर को अंतरिम राहत प्रदान की। अदालत के आदेश के बाद फिलहाल उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकेगी और अगली सुनवाई तक उन्हें कानूनी संरक्षण मिलता रहेगा। इसका मतलब है कि अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी।

पद्म श्री से सम्मानित होंगे आर. माधवन और स्व. सतीश शाह, राजेंद्र प्रसाद को मिलेगा पद्म भूषण

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान समारोह पद्म पुरुस्कार में इस साल 131 लोगों का नाम लिस्ट में शामिल है। इसमें से 66 लोगों को पहले ही मिल चुका है और अब बाकी की हस्तियों को 23 जून को सम्मान किया जाना है। इस लिस्त में सिनेमा और संगीत जगत के भी कुछ लोगों का नाम शामिल है। 23 जून को होने वाले पद्म पुरुस्कार समारोह के दूसरे चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक्टर-फिल्ममेकर आर. माधवन, मलयालम सुपरस्टार ममूटी , दिवंगत एक्टर सतीश शाह और तेलुगु सिनेमा के दिग्गज राजेंद्र प्रसाद को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने वाली हैं। आर माधवन और सतीश शाह को दिया जाएगा पद्म श्री इस पद्म पुरुस्कार का दूसरा समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया जाएगा। मशहूर एक्टर आर. माधवन और सतीश शाह को पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। 'मैडी' के नाम से मशहूर इस एक्टर ने टेलीविजन और सिनेमा में सफल करियर बनाया है। उन्होंने तमिल, हिंदी और कई भाषाओं में 1,200 से ज्यादा टेलीविजन एपिसोड और 75 फिल्मों में काम किया है।

उड़ता तीर

अंतर्मना उवाच

पैंतीस और सैंतीस कभी साथ नहीं रह सकते.. क्योंकि दोनों के बीच छत्तीस का आँकड़ा है..! मैं ज़िंदा हूँ...

*एक किसी बड़े समारोह में, जहाँ कई मशहूर हस्तियाँ मौजूद थीं, **एक बुज़ुर्ग महिला** छड़ी के सहारे मंच पर आईं और अपनी सीट पर बैठ गईं।*

***होस्ट ने पूछा** – क्या आप आज भी डॉक्टर के पास अक्सर जाती हैं..?*

***बुज़ुर्ग महिला मुस्कराकर बोलीं** – हाँ, मैं तो अक्सर जाती हूँ!*

***होस्ट ने पूछा** – क्यों..?*

बुज़ुर्ग महिला हँसते हुए बोलीं** – मरीज़ों को डॉक्टर के पास जाना चाहिए, **तभी तो डॉक्टर ज़िंदा रहेगा..!

उस बुज़ुर्ग महिला की हाजिर जवाबी पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

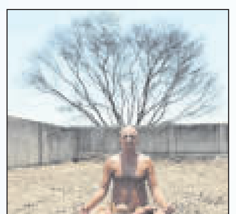

अतिशय क्षेत्र वागोल पार्श्वनाथ जी, जिला, बाँसवाड़ा (राज)। कडक धूप, भीषण गर्मी, 42डिग्री तापमान में 60 मिनिट का उत्कृष्ट तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

***फिर होस्ट ने पूछा** – तो क्या आप फार्मासिस्ट के पास भी जाती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला बोलीं** – ज़रूर! क्योंकि **फार्मासिस्ट को भी तो जीना है..!

अबकी बार और ज्यादा तालियां बजी।

***होस्ट ने हँसते हुए पूछा** – तो क्या आप फार्मासिस्ट की दी हुई दवाइयाँ भी लेती हैं..?*

बुज़ुर्ग महिला तुरंत बोलीं** -- नहीं..! दवाइयाँ तो अक्सर फेंक देती हूँ... **मुझे भी तो जीना है..!

इस पर तो पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा।

*अंत में **होस्ट ने कहा** – आपका धन्यवाद कि आप इस इंटरव्यू में आईं।*

बुज़ुर्ग महिला मुस्कराकर बोलीं** – आपका भी धन्यवाद... मुझे मालूम है, **आपको भी तो जीना है..!

श्रोता देर तक हँसते रहे और तालियाँ बजती रहीं।

*फिर **किसी ने एक और सवाल किया** – क्या आप अपने व्हाट्सएप ग्रुप में भी एक्टिव रहती हैं..?*

***बुज़ुर्ग महिला बोलीं** – हाँ, बीच-बीच में मैसेज भेजती रहती हूँ... ताकि **सबको पता लगे कि मैं ज़िंदा हूँ..!** वरना लोग समझेंगे कि मैं चली गई और ग्रुप एडमिन मुझे हटा देगा!*

कहते हैं, यह दुनिया के सबसे मज़ेदार चुटकुलों में से एक माना गया, क्योंकि – सबको जीना है..!

***तो मेरे प्यारे दोस्तों** -- मुस्कुराते रहिए, संदेश भेजते रहिए और अपनों से जुड़े रहिए। लोगों को पता चलता रहना चाहिए कि आप ज़िंदा हैं, खुश हैं और तंदुरुस्त हैं।*

ज़िंदगी है, तो ज़िंदादिली भी होनी चाहिए...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में हुए कई निर्णय

एमपी में मंडी टैक्स डेढ़ परसेंट किया गया, कपास पर घटाया

▶ **15 जून से आगे नहीं बढ़ेगी ट्रांसफर की तारीख**

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल स्थित मंत्रालय में मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में 9 जून 2026, मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में प्रदेश विकास के अहम फैसले लिए गए।

एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्याप ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कपास में मंडी शुल्क अभी 1 रुपए प्रति सैकड़ा लग रहा है। जिससे महाराष्ट्र के सीमावर्ती बुरहानपुर, खंडवा, निमाड़ क्षेत्र के लिए जिनिंग फैक्ट्रियों को महंगा पड़ता था। मध्यप्रदेश सरकार ने निर्णय लिया कि कपास पर मंडी शुल्क आधा टका करेंगे। आधा प्रतिशत मंडी शुल्क होने से प्रदेश का कपास प्रदेश की जिनिंग फैक्ट्रियों में प्रोसेस होगा।

मंत्री कश्याप ने आगे बताया कि कपास को छोड़कर अन्य बाकी सभी सामान्य उपजों पर वर्तमान में मंडी शुल्क 1 रुपया लिया जा रहा है। चार साल पहले इस पर डेढ़ प्रतिशत कर दिया गया था। पिछले साल फिर घटा दिया था, लेकिन अब फिर से आधा प्रतिशत बढ़ा दिया है। इससे 800 करोड़ में आमदनी होने की संभावना है।

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए अतिरिक्त राशि देने का प्रस्ताव भी मंजूर हुआ। मेट्रो रेल परियोजना की लागत में 3000 करोड रुपए की वृद्धि की गई। पहले यह 6941 हजार करोड़ रुपये थी, जो अब 10033 करोड़ रुपये हो गई है। प्रदेश में 21 जून तक विकास कार्यों का आयोजन किया जाएगा, 21 जून से शिविर भी लगेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों से कहा कि वे 15 जून तक तबादले काम पूरा कर लें, तारीख में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं की जाएगी।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिला अधिकारी ने नया इतिहास रचा

दीपिका गौतम ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो को किया फतह

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश पुलिस की इंस्पेक्टर दीपिका गौतम ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो फतह कर नया इतिहास रच दिया है। वह मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला अधिकारी बन गई हैं, जिन्होंने इस विश्व प्रसिद्ध पर्वत पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

दीपिका भोपाल स्थित एससीआरबी पीएचक्यू में पदस्थ है। उन्होंने 29 मई को करीब 5,895 मीटर ऊंची माउंट किलिमंजारो की चोटी पर पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की। खास बात यह रही कि इस अंतरराष्ट्रीय अभियान में वह भारत की एकमात्र प्रतिभागी थीं।

दीपिका कहती हैं कि नौकरी और

पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच अक्सर लोग अपने सपनों को पीछे छोड़ देते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनका मानना है कि 'सपनों के बिना जिंदगी अधूरी होती है,' और यही सोच उन्हें किलिमंजारो तक ले गई। किलिमंजारो पर चढ़ाई पांच दिन का कठिन सफर था, जिसमें तीन बेस कैंप पार करने के बाद अंतिम चढ़ाई रात में शुरू हुई। इस दौरान तापमान माइनस 10 से 15 डिग्री तक पहुंच गया।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट का फूड लाइसेंस निलंबित

निरीक्षण में चूहे और गंभीर खाद्य सुरक्षा खामियां मिलीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल के प्रतिष्ठित होटल Courtyard by Marriott के खिलाफ खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। होटल में चूहों की मौजूदगी संबंधी शिकायत मिलने के बाद राज्य और केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर होटल की खाद्य व्यवसाय

गतिविधियों तथा केंद्रीय खाद्य लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। संचालित होटल परिसर, डीबी सिटी स्थित अरेरा हिल्स में निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों की व्यापक अनदेखी पाई गई। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय अभिहित अधिकारी ने होटल का सेंट्रल लाइसेंस (संख्या 11421999000174) निलंबित करने के आदेश जारी किए।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट से 3 की मौत

जयपुर ■ एजेंसी

घर में चल रहा था अवैध कारखाना

राजधानी जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक घर में संचालित पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने और विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिस मकान में हादसा हुआ, वहां घर के भीतर ही पटाखा निर्माण का काम चल रहा था। अचानक आग लगने के बाद तेज धमाके हुए, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, सिविल डिफेंस, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने तीन लोगों की जलने से मौत की पुष्टि की है। वहीं पांच घायलों को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल और एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। इनमें से तीन घायलों को एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार ये सभी 50 से 70 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं और उनकी स्थिति मरणासन्न बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, एडीएम और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर मौजूद हैं। दमकलकर्मी आग पर पूरी तरह काबू पाने और मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। आशंका है कि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आवासीय क्षेत्र में पटाखा फैक्ट्री किस प्रकार संचालित की जा रही थी और इसके लिए आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना ने हक मांग रहे कश्मीरियों को गोलियों से भूना

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों ने खूनी खेल खेला है। हक मांग रहे कश्मीरियों को पाकिस्तानी सेना ने गोलियों से भून दिया। हमले में 27 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। पाकिस्तान सेना ने यह खूनी खेल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के शहर रावलकोट में खेला। यह खूनी खेल उस खेला गया है, जब एक दिन पहले ही 7 जून को पाकिस्तान ने कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में स्थानीय चुनाव कराए गए हैं। घटना के बाद से पूरे पीओके में तनाव चरम पर है। पूरे क्षेत्र में 9 जून यानी आज बंद का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन से निपटने के लिए पाक सरकार 14 हजार सैनिकों की फौज पाक अधिकृत कश्मीर में भेज रही है। जबकि 5 जून से पूरे पीओके में इंटरनेट बंद है।

27 से ज्यादा की मौत, 100 से अधिक घायल

एसटीएफ के शिकंजे में नशीले कफ सिरप का मास्टरमाइंड

30 हजार का इनामी अर्जुन मालवीय गिरफ्तार

डमी दुकान के जरिए करता था अवैध कारोबार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश एसटीएफ को नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी अर्जुन मालवीय को एसटीएफ ने बैतूल जिले के भैंसदेही क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। अर्जुन मालवीय पर एसटीएफ ने 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जांच में सामने आया था कि आरोपी भोपाल के बागसेवनिया क्षेत्र में 'अर्जुन ट्रेडर्स' के नाम से एक डमी दुकान संचालित कर रहा था। इसी दुकान की आड़ में वह नशीले कफ सिरप की अवैध बिक्री और सप्लाई का नेटवर्क चला रहा था। एसटीएफ की टीम आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई, जिसके बाद बैतूल के भैंसदेही में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी से पूछताछ में नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। एसटीएफ अब पूरे गिरोह की गतिविधियों और सप्लाई चेन की जांच में जुटी हुई है।

अमृत दर्शन ने कलेक्टर नरसिंहपुर से नल-जल योजना की मांगी जानकारी

आईएएस रजनी सिंह ने कहा 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण, जिले में जल संकट नहीं

भोपाल ■ सुरेन्द्र शर्मा

प्रदेश के कई जिलों में जल संकट गंभीर रूप ले चुका है। नरसिंहपुर जिले में पीने के पानी की क्या स्थिति है। नल से हर घर जल योजना का काम कितना हुआ और कितना होना है। इस विषय में **अमृत दर्शन** ने जब जिला कलेक्टर रजनी सिंह से जानकारी मांगी तो उन्होंने कहा कि 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है जिले में पानी की कोई समस्या नहीं है कुछ क्षेत्रों में यदि मामूली समस्या हुई भी है तो वहां पर टैंकरों से पानी की सप्लाई की गई। कलेक्टर रजनी सिंह ने साफ तौर पर कहा कि फिलहाल मेरे जिले में पानी की समस्या नहीं है। मैं ओर कहीं की बात नहीं कर सकती।

जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश का नरसिंहपुर जिला कृषि एवं उद्योग के क्षेत्र में एक विकसित जिला है। जिले की जनसंख्या लगभग 10.92 लाख (2011 जनगणना के अनुसार) है और इसका कुल क्षेत्रफल 5,126 वर्ग किलोमीटर है। राज्य और जिला प्रशासन द्वारा नरसिंहपुर और इसके विभिन्न हिस्सों (जैसे गाडरवारा, करेली आदि) में कई बुनियादी ढांचे और सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

जिले में कलेक्टर रजनीसिंह की काफी चर्चा है हुआ एक तेज-तर्रार और सख्त कार्यशैली के लिये चर्चित हैं। मध्यप्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस प्रशासनिक हलकों में उनकी सख्त, पारदर्शी और त्वरित समाधान वाली कार्यशैली के लिये जाना जाता है। उनकी कार्यशैली के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित है सख्त और अनुशासित उन्हें एक बहुत की सख्त अधिकारी माना जाता है। उनकी छवि ऐसे प्रशासक की है जो नियमों से कोई समझौता नहीं करती हैं और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करती हैं। त्वरित समाधान आम जनता की समस्याओं, विशेषकर दिव्यांगों और जरूरतमंदों के मामलों पर उनका रुख बेहद संवेदनशील और त्वरित होता है। वह आवेदनों पर सीधे संज्ञान लेकर तत्काल संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश देने में विश्वास रखती है। फील्ड विजिट रजनी सिंह अक्सर बंद कमरों की बैठकों तक सीमित न रहकर खुद ग्राउंड जीरो पर जाकर योजनाओं और कार्यों का औचक निरीक्षण करती हैं।

सड़क निर्माण परियोजनाएं

गोटेगांव/गाडरवारा क्षेत्र में कनेक्टिविटी की बेहतर करने के लिये कई बड़ी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें चिचली से सालिचौका तक सड़क निर्माण, अर्जुनगांव से गाडरवाडा तक सड़क निर्माण (लागत रु. 27 करोड़) शामिल हैं।

- **विद्युत सबस्टेशन :** जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिये साईंखेड़ा कस्बे में 132 किलोवाट का विद्युत सबस्टेशन स्थापित किया जा रहा है।
- **गाडरवाडा सुपर थर्मल पावर प्रॉजेक्ट :** एनटीपीसी द्वारा गाडरवाडा में कोयला आधारित विशाल पावर प्लांट (1200 मेगावॉट) का विस्तार एवं संचालन किया जा रहा है।
- **कृषि अवसंरचना :** जिले में व्यापार को बढ़ावा देने के लिये एक औद्योगिक पार्क की स्थापना भी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मलेरिया निरोधक माह के तहत जागरूकता रैली निकाली

उज्जैन। उज्जैन में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मलेरिया निरोधक माह का सोमवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एक आज सुबह जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली सीएमएचओ कार्यालय और चरक अस्पताल परिसर से शुरू होकर चामुंडा माता चौराहे तक निकाली गई। रैली के साथ ही मलेरिया जागरूकता रथ को भी रवाना किया गया। यह रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाएगा, जहां लोगों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों से पंपलेट वितरण का भी सहयोग लिया जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने लोगों से मच्छरदानी का उपयोग करने, साफ-सफाई रखने और बुखार आने पर तत्काल चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उज्जैन शहर में पिछले पांच महीनों से मलेरिया का एक भी मरीज सामने नहीं आया है।

उज्जैन में मई में रिकॉर्ड 6 करोड़ यूनिट बिजली खपत

उज्जैन। उज्जैन में इस बार की भीषण गर्मी ने बिजली खपत के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मई माह में शहर और जिले में बिजली की खपत 6 करोड़ यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में एक करोड़ यूनिट अधिक है। लगभग 10 लाख पंखे, 3 लाख कूलर और 1 लाख एयर कंडीशनर (एसी) ने बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव डाला है। बिजली विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 में लगभग 5 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई थी। वहीं, मई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 6 करोड़ यूनिट हो गया। इस प्रकार, एक साल में बिजली के उपयोग में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बिजली विभाग के मुख्य अभियंता सुरेश शर्मा ने बताया कि मई माह में शहर की अधिकतम बिजली मांग भी बढ़कर लगभग 127 मेगावाट तक पहुंच गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा करीब 117 मेगावाट था, यानी एक साल में बिजली की मांग में लगभग 10 मेगावाट का इजाफा हुआ है।

खंडवा-बुरहानपुर हाईवे पर बस से भिड़ी आयशर गाड़ी

खंडवा। खंडवा-बुरहानपुर नेशनल हाईवे पर झिरी गांव के पास सोमवार को एक ट्रक ने यात्री बस को टक्कर मार दी। हादसे में बस के आगे के कांच टूट गए, एक हिस्से से वह पिचक गई। वहीं लहसुन के कट्टों से खचाखच भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। इस दौरान लोग अपनी जान बचाने के लिए जल्दबाजी में बस से बाहर निकलने लगे। इधर, दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। मिली जानकारी के अनुसार आर्या ट्रेवल्स की यात्री बस खंडवा से बुरहानपुर की ओर जा रही थी, तभी हाईवे पर सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, हालांकि घायलों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी थी।

हाईवा ने स्कूटी सवार को कुचला, मांस के लोथड़े बिखरे

जबलपुर। जबलपुर में रविवार (7 जून) देर रात तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार को कुचल दिया। स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान स्कूटी हाईवा के नीचे फंस गई। करीब 50 मीटर तक घिसटने से स्कूटी और हाईवा के निचले हिस्से में आग लग गई। लाश की हालत ऐसी थी कि मांस के लोथड़े सड़क पर बिखरे रहे। घटना माढ़ोताल थाना क्षेत्र के खजरी खिरिया बाईपास की है। जानकारी के मुताबिक रात करीब 2 बजे स्कूटी सवार युवक बायपास से जबलपुर की ओर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे हाईवा ने टक्कर मार दी। इसके बाद आग लग गई, जिसे फायर ब्रिगेड ने काबू किया।

कुएं में कूदे युवक की इलाज के दौरान मौत

ग्वालियर। ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के जनकताल इलाके में सोमवार सुबह एक 30 वर्षीय युवक ने पारिवारिक कलह के चलते कुएं में छलांग लगा दी। आपदा प्रबंधन (स्ष्ठक्रस्न) की टीम ने उसे कुएं से बाहर निकाला, लेकिन गंभीर चोटों और अत्यधिक नशे के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान जनकताल निवासी अतुल कुशवाह (30 वर्ष), पुत्र मंगल सिंह कुशवाह के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार, अतुल अपनी पत्नी के मायके चले जाने और शराब के नशे के कारण दुखी था, जिसके चलते घर में अक्सर कलह होती थी।

एपीके फाइल भेजकर क्लिक करने को कहा, क्रेडिट कार्ड बंद होने का झांसा दिया

कस्टमर केयर अधिकारी बनकर 5.42 लाख की ऑनलाइन ठगी, दो को बनाया निशाना

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में कस्टमर केयर अधिकारी बनकर और एसबीआई क्रेडिट कार्ड बंद होने का झांसा देकर दो लोगों से 5 लाख 42 हजार 496 रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों मामलों में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों मामलों में साइबर ठगों की तलाश कर रही है।

पहला मामला थाटीपुर थाना पुलिस क्षेत्र की अशोक कॉलोनी का है। यहां रहने वाले 38 वर्षीय सतीश माहौर को एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को कस्टमर केयर कर्मचारी बताकर फोन किया। आरोपी ने उनके मोबाइल पर एक एपीके (क्क्र) फाइल भेजी और उसे क्लिक करने के लिए कहा।

क्रेडिट कार्ड चालू रखने के लिए भुगतान करने को कहा: जैसे ही सतीश माहौर ने फाइल ओपन की, साइबर ठगों ने उनके बैंक खातों तक पहुंच बना ली। इसके बाद अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए उनके खाते से 4 लाख 10 हजार 49 रुपए निकाल लिए गए। यह ठगी 10 फरवरी से 11 फरवरी 2026 के बीच हुई। पुलिस ने जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया है।

दूसरा मामला कम्पू थाना पुलिस क्षेत्र की किरार कॉलोनी से सामने आया है। यहां रहने वाले 48 वर्षीय अनिल गुप्ता को 23 मई 2026 की दोपहर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनका क्रेडिट कार्ड जल्द बंद होने वाला है और उसे चालू रखने के लिए भुगतान करना होगा।

दो बार में 1.32 लाख निकाले: ठग ने अनिल गुप्ता को एक लिंक भेजकर 52 हजार 964 रुपए जमा करने को कहा। अनिल ने भरोसा कर लिंक के माध्यम से भुगतान कर दिया। कुछ देर बाद उनके क्रेडिट कार्ड से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 39 हजार 964 रुपए और 92 हजार 463 रुपए निकाल लिए गए। इस तरह उनके खाते से 1 लाख 32 हजार 447 रुपए की ठगी हो गई। ठगी का अहसास होने पर अनिल गुप्ता ने तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला कम्पू थाने भेजा गया है।

लड्डू गोपाल की मूर्ति चुरा रहा चोर स्टूल से गिरा

ग्वालियर। ग्वालियर में चोरी करने आए एक शातिर बदमाश को उस समय पकड़ लिया गया, जब वह स्टूल से गिरकर घायल हो गया। गिरने की तेज आवाज सुनकर मकान मालिक जाग गए और उन्होंने चोर को मौके पर ही दबोच लिया। आरोपी पर पहले से 25 से अधिक चोरी के मामले दर्ज हैं। यह घटना सिरोल थाना क्षेत्र की हुरावली कॉलोनी में रविवार को हुई। आरोपी आशीष जाटव उर्फ मोटा ने वकील सिंह यादव के घर का मुख्य गेट का ताला तोड़ा और अंदर घुस गया। उसने पूजा कक्ष और बैठक में रखे दो लॉकर तोड़ दिए। लॉकर से 7 हजार रुपए नकद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी और मंदिर में रखी लड्डू गोपाल की मूर्ति एक बैग में रख ली। इसके बाद आशीष अलमारी के ऊपर रखा सामान निकालने के लिए स्टूल पर चढ़ा। तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह स्टूल समेत नीचे गिर पड़ा। गिरने की तेज आवाज से पहली मंजिल पर सो रहे मकान मालिक वकील सिंह यादव की नींद खुल गई। वह तुरंत नीचे पहुंचे और कमरे में एक युवक को जमीन पर गिरा देखा, जिसके कंधे पर लाल रंग का पिट्ठू बैग टंगा था। वकील सिंह यादव ने शोर मचाकर परिवार और पड़ोसियों को बुलाया। सबने मिलकर चोर को पकड़ लिया।

सागर में बोरियों में गेहूं के साथ भरी मिली मिट्टी

ट्रक में लादकर लाए अमानक गेहूं की 600 बोरियां, सुपरवाइजर ने खेप वापस लौटाई

सागर ■ निसं

सागर के गंभीरिया स्थित श्री देव प्रभा वेयर हाउस में मिट्टी मिला अमानक गेहूं पहुंचने का मामला सामने आया है। ट्रक में करीब 600 बोरियां भरकर गेहूं वेयर हाउस लाया गया था। सोमवार को जांच में बोरियों में लगभग 10 प्रतिशत गेहूं और 90 प्रतिशत मिट्टी पाए जाने का दावा किया गया है। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जांच के आदेश दिए हैं।

संदेह होने पर की गई जांच: जानकारी के अनुसार, गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित श्री देव प्रभा वेयर हाउस को वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन की साईखेड़ा ब्रांच ने करीब एक माह पहले अधिग्रहित किया था। यहां विभिन्न उपार्जन केंद्रों से गेहूं लाकर संग्रहित किया जा रहा है।

इसी दौरान ट्रक क्रमांक एमपी 15 जेडआर 9190 करीब 600 बोरियां लेकर वेयर हाउस पहुंचा। मजदूर बोरियां उतारकर गोदाम में रख रहे थे। तभी वेयर हाउस की देखरेख कर रहे एक कर्मचारी को गेहूं की गुणवत्ता पर संदेह हुआ। उसने बोरियों की जांच की तो उनमें गेहूं की जगह बड़ी मात्रा में मिट्टी भरी मिली।

सुपरवाइजर ने लौटाया गेहूं: बोरियों में अमानक और मिलावटी गेहूं मिलने पर सुपरवाइजर ने खेप को वापस लौटा दिया। मामले की जानकारी प्रशासन को दी गई, जिसके बाद कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जांच के निर्देश दिए।

सोमवार को प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम वेयर हाउस पहुंची। टीम ने गेहूं की गुणवत्ता, उसकी खरीद, परिवहन और स्रोत से संबंधित जानकारी जुटाना शुरू किया। साथ ही स्थानीय स्टाफ से भी पूछताछ की गई।

जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि गेहूं कहां से लाया गया, किसके द्वारा खरीदा गया और उसकी वास्तविक गुणवत्ता क्या है। मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

दतिया में कांग्रेस को बड़ा झटका, युवा कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

भोपाल/दतिया ■ निसं

दतिया जिले में कांग्रेस को एक और राजनीतिक झटका लगा है। पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा की उपस्थिति में कांग्रेस के कई युवा कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भोपाल स्थित निवास पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता लेने वालों का स्वागत किया गया।

भाजपा में शामिल होने वालों में बलवान पटेल, दीपक भटैले यादव, मोनू राजा, सागर सेन, सुरेन्द्र राजा, अंशू लिटोरिया, विक्रम रावत, सतीश विश्वकर्मा, राघव शर्मा, राकेश यादव, कढोरी यादव,गगन यादव, रामकेश पटेल, अमित पाल, टूनटून यादव जीतेन्द्र ठाकुर और विजय यादव सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों से

प्रभावित होकर युवा बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण और विकास की राजनीति करती है, जबकि जनता अब अवसरवादी राजनीति को नकार रही है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दतिया में लगातार हो रहे दल-बदल से कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा कमजोर पड़ रहा है, जबकि भाजपा स्थानीय स्तर पर अपनी पकड़ और मजबूत करने में जुटी हुई है।

सीहोर में संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का विरोध प्रदर्शन

भैंस के आगे बीन बजाकर सरकार को जगाया, 7 दिन से हड़ताल पर बैठे

सीहोर ■ निसं

सीहोर में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का प्रदर्शन सातवें दिन भी जारी रहा। अपनी मांगों को लेकर सड़क पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने 'भैंस के आगे बीन बजाना' मुहावरे को जीवंत करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने इस प्रदर्शन में भैंस को मध्य प्रदेश शासन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्रतीक बताया। कर्मचारियों ने भैंस के सामने बीन बजाकर अपनी मांगों की अनदेखी का विरोध किया।

कर्मचारियों का आरोप है कि वे अपनी मांगों को लेकर लगातार ज्ञापन दे रहे हैं और शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी सुनवाई

नहीं कर रही है।

इस आंदोलन के कारण पिछले सात दिनों से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसी क्रम में, आगामी 11 जून को प्रदेश भर के संविदा स्वास्थ्य कर्मी भोपाल कूच करेंगे। वे राजधानी में मुख्यमंत्री निवास का घेराव कर अपनी मांगों पर सरकार से जवाब मांगेंगे।

मोबाइल ऐप से चेक होगी दूध की शुद्धता, 42 हजार दूध उत्पादक किसानों का डेटा होगा ऑनलाइन

इंदौर ■ निसं

सहकारी दुग्ध संघ ने संभागायुक्त के निर्देशानुसार दुग्ध संग्रहण को पारदर्शी बनाने के लिए एनडीडीबी का मोबाइल मिल्क टेस्टिंग ऐप लागू किया है, जिससे दूध की गुणवत्ता की सटीक जानकारी तुरंत किसानों को मिलेगी।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और दूध उत्पादक किसानों को अधिक आर्थिक लाभ दिलाने के साथ ही गुणवत्ता सुधार के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में विगत दिनों संभागायुक्त सुदाम खाडे ने एक उच्च स्तरीय बैठक में निर्देशित किया था कि दूध संग्रहण का कार्य गांवों में घर-घर पहुंचकर किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने गुणवत्ता और भुगतान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के भी निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के पालन में संघ ने सोसायटियों से होने

वाले दूध संग्रहण की व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाते हुए एप आधारित मॉनिटरिंग व्यवस्था की शुरुआत कर दी है। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा वर्तमान दूध संग्रह व्यवस्था को अधिक प्रभावी और किसान हितैषी बनाया जा रहा है। नई सोसायटियों की स्थापना करने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों से सीधे उनके घर पहुंचकर दूध लेने की एक वृहद योजना भी तैयार की जा रही है। इस नई व्यवस्था के लागू होने से किसानों को परिवहन और समय की परेशानी से पूरी तरह राहत मिल जाएगी।

संभागायुक्त द्वारा यह भी विशेष निर्देश दिए गए हैं कि सभी दूध उत्पादकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए अब महीने में कुल तीन बार भुगतान किया जा रहा है। यह भुगतान हर महीने की तीन, तेरह और तेईस तारीख को सीधा किया जा रहा है।

इस व्यवस्था से किसानों को नियमित रूप से नकदी प्रवाह मिल रहा है और उन्हें पशुपालन के क्षेत्र में नया निवेश करने में काफी सुविधा हो रही है। जिले के दूध उत्पादकों को क्षेत्र में कुल दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार प्रेरित किया जाएगा। दुधारू पशुओं की संख्या में बढ़ोतरी करने के उद्देश्य से राज्य शासन की महत्वाकांक्षी डा भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत पशुपालक किसानों को शासकीय अनुदान और आसान बैंक ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कमिश्नर के अल्टीमेटम से मचा बवाल 325 होटल और अस्पतालों पर मंडराया सीलिंग का खतरा!

जबलपुर ■ निसं

मध्य प्रदेश के जबलपुरम में फायर सेफ्टी को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गया है। शहर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कड़ा रूख अपनाते हुए नगर निगम ने एक साथ 325 होटल और अस्पतालों को नोटिस जारी किया है। नगर निगम कमिश्नर ने इसे अंतिम चेतावनी बताते हुए साफ किया है कि नापरवाही मिलने पर संस्थानों को सीधे सील कर दिया जाएगा।

नगर निगम की इस कार्रवाई की जद में सिर्फ अस्पताल और होटल ह नहीं है। निगम प्रशासन ने शहर में संचालित हो रहे कोचिंग सेंटर्स और अन्य प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नोटिस थमाया है। इन सभी से तय समय सीमा के भीतर जवाब मांगा गया है।नगर निगम कमिश्नर की

ओर से जारी आदेश के मुताबिक सभी संबंधित संस्थानों को अपनी फायर सेफ्टी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए एक निश्चित समय दिया गया है। निर्धारित समय के भीतर यदि संस्थानों ने अपनी व्यवस्थाएं नहीं सुधारीं तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी भी अस्पताल, कोचिंग सेंटर, होटल या अन्य संस्थानों में फायर एनओसी का अभाव या सुरक्षा उपकरणों में लापरवाही पाई जाती है, तो उसे तत्काल सील कर दिया जाएगा।

औदीच्य महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान पर मंथन

सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज ने महासभा सदस्यता अभियान की राशि राष्ट्रीय नेतृत्व को सौंपी

विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिनिधियों ने रखे विचार

खरगोन ■ निसं

अखिल भारतीय औदीच्य महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक रविवार को औदीच्य भवन स्थित पं. राजेश्वर जोशी सभागृह में राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण त्रिवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। बैठक में देश के विभिन्न प्रांतों से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और महासभा के प्रशासनिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. रवि ठक्कर ने

हरिद्वार में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की पुष्टि, वर्ष 2026 के आजीवन एवं विशेष संरक्षक सदस्य बनाने की प्रगति तथा महासभा में नियमानुसार प्रभार एवं पदभार हस्तांतरण से संबंधित विषयों पर जानकारी प्रस्तुत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण त्रिवेदी ने कहा कि महासभा को और अधिक सशक्त एवं संगठित बनाने के लिए सभी प्रांतों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सदस्यता विस्तार एवं समाजहित के कार्यों को गति देने का आह्वान किया। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन अवस्थी ने युवाओं को समाज एवं संगठन से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। बैठक में खरगोन से अनिल ठक्कर,कुलदीप ठक्कर, नीरज ठक्कर एवं जयंत ठक्कर उपस्थित रहे। इस दौरान सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज खरगोन से अभा महासभा के सदस्यता अभियान से प्राप्त हुई राशि 50600/= रूपए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री को सौंपी गई। अपने उद्बोधन में नीरज ठक्कर ने कहा कि समाज की शक्ति उसकी एकता और संगठन में निहित होती है। सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक परिवार को संगठन से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रबुद्धजनों की सहभागिता से महासभा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।बैठक में उपस्थित सभी प्रांतों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की गतिविधियों एवं सुझावों से अवगत कराया।इस अवसर पर महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता अरुण उपाध्याय इंदौर, महासचिव श्रीमती राधा त्रिवेदी रतलाम को बनाया गया। अंत में समाजहित एवं संगठन के विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

आवारा कुत्तों के खौफ ने ली जानः मंत्री के बंगले के पास सरकारी पार्क के गड्ढे में डूबने से महिला की मौत

ग्वालियर ■ निसं

मध्यप्रदेश के मुरैना से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कुत्तों के झुंड से बचने की कोशिश में एक महिला पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई, जहां डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के घर के पास स्थित सरकारी पार्क की है।

दरअसल 33 साल की महिला हब्बी खान रविवार रात कुत्तों के झुंड से बचने के लिए भाग रही थी। इसी दौरान वह मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के घर के पास सरकारी पार्क में बने जलभराव वाले गहरे गड्ढे तक पहुंच गई और उसमें गिर गई। स्थानीय लोगों ने महिला को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता

नहीं मिली। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

देर रात करीब साढ़े बारह बजे महिला को गड्ढे से बाहर निकाला गया,लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शहर में आवारा कुत्तों के आतंक और जलभराव वाली सार्वजनिक जगह पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हुये है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल। जय श्री राम श्री राम मंदिर गुरु बख्श की तलैया हमीदिया रोड भोपाल में 8 जून 2026 को समय 8 :00 बजे से लेकर 10 :00 बजे तक भव्य भजन संध्या का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें अधिक से अधिक सनातन धर्म प्रेमी आए और धर्म लाभ अर्जित किया। इसमें मुख्य रूप से किन्नर समाज के कई लोग आए थे भजन संध्या में राम रस की वर्षा होने लगी जिसमें कई भक्त झूमते नाचते नजर आए।

विधायक सबनानी ने दिखाई मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा के मार्गदर्शन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के निर्देशन में मलेरिया माह जून 2026 के अंतर्गत सोमवार को भोपाल जिले के दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला मलेरिया कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने जिले में मलेरिया प्रकरणों में आई कमी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की तथा रोग नियंत्रण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। मलेरिया रथ के शुभारंभ अवसर पर जिला मलेरिया कार्यालय की टीमएवं सभी जोन के सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

इसी क्रम में जिला मलेरिया कार्यालय की लैब में एलेन मेडिकल कॉलेज, भोपाल के एमबीबीएस इंटर्नशिप के छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (हङ्क्ष्ब्ष्टक्क) के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को रोगों की पहचान, रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया गया एवं मलेरिया, फाइलेरिया, माइक्रोस्कोपिक प्रशिक्षण लैब प्रभारी श्रीमती गीता लक्ष्मी श्रीमती अन्नपूर्णा नीरज एवं दीपिका द्वाराप्रदाय किया गया।

जनजातीय गरिमा उत्सव2026 के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर के वार्ड क्रमांक-1 स्थित गौंड बस्ती में प्रचार-प्रसार एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय आदिवासी समुदाय को मलेरिया एवं डेंगू के लक्षण, बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

धारदार हथियार सहित बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। शहर की टीटी नगर थाना पुलिस ने एक युवक को छूरी सहित गिरफ्तार किया है। थाना पुलिस के अनुसार बीते दिन मुखबिर से मिली सूचना पर दशहरा मैदान में खड़े संदेही युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान सुमित कौल उर्फ क्रेजी पिता राजू प्रसाद कौल (190 निवासी बाणगंगा टीटी नगर के रुप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से लोहे का छुरी बरामद हुई। पुलिस ने मामला कायम कर हथियार को जप्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी सुमित के खिलाफ थाना टीटी नगर, रातीबड और श्यामलाहिल्स में पूर्व से पॉच अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

ट्रक खरीदने के नाम पर लाखों की हेराफेरी

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने शिवपुरी के ट्रांसपोर्टर की शिकायत पर वाहन डीलर समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोपियों ने ट्रांसपोर्टर से दो ट्रक खरीदे और कागजात तैयार कर 36 लाख रुपए फाइनेंस करा लिए। उसमें से फरियादी को केवल 12 लाख की रकम दी गई, और 23 लाख रुपए आरोपियों ने अपने पास रख लिए। पुलिस के मुताबिक शिवपुरी के पंकज शर्मा (45) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया था की वह ट्रांसपोर्टर हैं। उनके भाई भोपाल में रहते हैं। जनवरी 2025 में दो ट्रक बेचने के लिये पंकज शर्मा ने वाहन डीलर गजराज सिंह परमार से संपर्क किया। गजराज का ऑफिस शीतलधाम सोसायटी समरधा में है। पंकज ने गजराज के जरिये से दोनो ट्रको का सौदा रजनीकांत यादव से 36 लाख रुपए में तय करते हुए उसे बेच दिए। रजनीकांत के नाम ट्रक ट्रांसफर होने के बाद उस पर 36 लाख की रकम फाइनेंस कराई गई। रजनीकांत ने फाइनेंस के 36 लाख रुपए गजराज को दे दिए ताकि वो पंकज को ट्रक खरीदने की रकम दे दे। लेकिन गजराज ने पंकज को 12 लाख रुपए दिए और बाकी की 23 लाख की रकम अपने पास रख ली। जब फरियादी ने बार-बार रकम देने का दबाव बनाया तब वह टाल-मटौल करने लगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा

हितग्राही को बैंक से सब्सिडी और ऋण दिलाने में भी करें सहयोग : मुख्यमंत्री

- ■विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ उसी साल वितरित करें, जिस वर्ष में वह देय हैं
- ■संपत्तियों से संबंधित भूमि विवादों का किया जाये सकारात्मक निराकरण
- ■प्रदेश में होगी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिमुलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग द्वारा उद्यम व स्वरोजगार योजना में दी जाने वाली सब्सिडी व ऋण सहायता सुलभ व समय में देकर उसके उपयोग की मॉनीटरिंग भी की जाये। विभाग अपनी विभागीय प्रक्रिया को पूर्ण कराने के अलावा संबंधित हितग्राही को बैंक से समुचित सब्सिडी/ऋण दिलाने में भी हितग्राही का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को सरकार द्वारा दी जा रही छात्रवृतियां उसी वर्ष तय तारीख तक आवश्यक रूप से वितरित कर दी जाये, जिस वर्ष में वह छात्रवृत्ति देय है। विभागीय अधिकारी इसके लिए स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से बेहतर समन्वय करके काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को सहज, सुलभ व समय पर लाभ देना होना चाहिए। उद्देश्य पूर्ति के लिये किसी भी तकनीकी समस्या या अन्य प्रक्रियात्मक त्रुटियों का तत्काल समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी प्रकार की वक्फ संपत्तियों की प्रविष्टियाँ केंद्र सरकार द्वारा संचालित उम्मीद पोर्टल पर आवश्यक रूप से की जाए तथा वक्फ संपत्तियों से संबंधित भूमि विवादों के निराकरण के लिए लगातार मॉनीटरिंग कर उनका सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

ओबीसी युवाओं के लिये अन्य सुविधाएँ

दिल्ली छात्र गृह योजना में सुधार कर शिष्यवृत्ति राशि 1550 रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दी गई है। लाभार्थियों की संख्या भी सालाना 50 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। प्रदेश के इतिहास में ओबीसी के छात्रावासों में पहली बार विभाग द्वारा मेस की सुविधा का आरंभ किया जा रहा है। विभागीय 31 कन्या छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया गया है। शेष 24 छात्रावासों के लिए 20.50 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने बताया कि पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए चयन मापदंडों में सुधार कर अब 8 मापदंडों के अनुसार मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जा रहा है। पहले सिर्फ क्यूएस रैकिंग बेस्ट एकल मापदंड के आधार पर चयन किया जाता था।

प्रदेश में बनेगा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिमुलेटरी स्पेस सेंटर

बैठक में प्रमुख सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण ई. रमेश कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सहयोग से मध्यप्रदेश में जल्द ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिमुलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रदेश के विद्यार्थियों एवं नागरिकों में वैज्ञानिक सोच तथा अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति अभिरूचि विकसित करना है। इस सेंटर के सुचारु संचालन के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (मैपकास्ट) से सहयोग लिया जाएगा।

भोज मुक्त यूनिवर्सिटी के एडवाइजर को शादी का झांसा देकर साढ़े दस लाख ठगे

- ■मैरिज ब्यूरो संचालक बनकर एक महिला से शादी की बातचीत कराई
- ■लाखों की रकम ऐठनें के बाद दी उस महिला की मौत की खबर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अकेलेपन को दूर करने के लिये जीवनसाथी की तलाश में 64 वर्षीय भोज मुक्त यूनिवर्सिटी के एडवाइजर को अखबार में छपे वैवाहिक विज्ञापन पर संपर्क करना मंहगा पड़ गया। अनजाने में ही वह शातिर जालसाजों के जाल में फंस गए। ठगो ने मैरिज ब्यूरो संचालक बनकर उनसे बातचीत की और रजिस्ट्रेशन फीस जमा कराने के बाद शादी के लिए एक महिला बताकर उस महिला से बातचीत भी करा दी। उस महिला ने फोन पर उनसे बातचीत करते हुए शादी के लिये सहमति देने के साथ ही उन्हें अपने विश्वास में लिया और अलग-अलग बहाने से लाखो की रकम ऐंठ ली। आाखिर में फरियादी को बताया की जिस महिला से उनकी शादी की बात चल रही थी, उसकी मौत होने गई है। तब पीड़िता को अपने साथ ठगी का अहसास हुआ और मामला पुलिस के पास पहुचां। घटना कोलार रोड थाना इलाके की है।

पेपर में देखा था रिटायर्ड सुपरवाइजर महिला की शादी का ऐड: पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 64 वर्षीय संजय गुलाटी ने अपनी शिकायत में बताया की वह दानिश कुंज में रहते हैं। 29 मार्च 2026 को उन्होंने एक समाचार पत्र में वैवाहिक विज्ञापन देखा। विज्ञापन में इंदौर में रहने वाली महिला एवं बाल विकास विभाग की सेवानिवृत्त सुपरवाइजर 60 वर्षीय कविता शर्मा के लिए वर की आवश्यकता बताई गई थी। और संपर्क के लिए एक मोबाइल नंबर दिया गया था। संजय गुलाटी ने दिए गए नंबर पर संपर्क किया तब दूसरी और से बात करने वाली महिला ने खुद को मैरिज ब्यूरो संचालिका बताते हुए रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप 1500 रुपए ऑनलाइन जमा कराये।

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं मंत्री नारायण सिंह पंवार ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं मंत्री नारायण सिंह पंवार ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी जनसमस्याओं को समझा और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

कोचिंग सेंटर की महिला ऑपरेटर का डेढ़ लाख का मोबाइल झपटा

भोपाल। शहर के पिपलानी थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशो ने कोचिंग सेंटर की महिला ऑपरेटर से कीमती आई फोन झपट लिया और फरार हो गये। वारदात करीब चार दिन पहले की है, जिसकी जॉच के बाद अब मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदेहियों की धरपकड़ के प्रयास कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार कृतिका वाणी पिता विनोद कुमार वाणी (22) निवासी अयोध्या बायपास पर स्थित सागर स्प्रिंग सिल्वर कॉलोनी ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बतायसा की उनकी इंद्रपुरी में कोचिंग सेंटर हैं। बीती 3 जून की रात करीब नौ बजे वह अपने मोबाइल पर बातचीत करती हुई जा रही थी। कल्पना नगर के पास गीत अपार्टमेंट के नजदीक पहुचंने पर दो बाइक युवक उनके नजदीक आये और तेजी से झपटा मारकर उनके हाथ मे पकड़ा डेढ़ लाख कीमत का आई फोन छीन कर फरार हो गए। पुलिस ने आवेदन की जॉच के बाद बीते दिन अज्ञात आरोपियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

निगम की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी

संपदा संचालनालय की कार्यवाही में सहयोग करते हुए चक्की चौराहा क्षेत्र में 39 आवासों को खाली कराया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम के अमले ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत नवीन निगम मुख्यालय भवन के बाहर सड़क एवं फुटपाथ के अंदर अवैध रूप से रखी 01 बड़ी गुमठी जप्त की। संपदा संचालनालय की कार्यवाही में सहयोग करते हुए चक्की चौराहा क्षेत्र से 39 आवासों को खाली कराकर तालाबंदी की कार्यवाही कराई साथ ही मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों को सहयोग देते हुए ब्लू लाईन मेट्रो के निर्माण में बाधक रोशनपुरा क्षेत्र में 30 दुकानों के मालिकों को 02 दिन में चिन्हित सीमा तक दुकानें हटाने की समझाइश दी।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को निगम अमले ने नवीन मुख्यालय अटल भवन के बाहर मुख्य मार्ग पर फुटपाथ पर अवैध रूप से रखी 01 बड़ी गुमठी जप्त की।

इसके अतिरिक्त निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने संपदा संचालनालय की कार्यवाही में सहयोग करते हुए चक्की चौराहा क्षेत्र से 39 आवासों को खाली कराकर तालाबंदी की कार्यवाही कराई साथ ही मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों को सहयोग देते हुए भदभदा से रत्नागिरी तक ब्लू लाईन मेट्रो के निर्माण में बाधक रोशनपुरा क्षेत्र में बापू की कुटिया के लाईन की 30 दुकानों के मालिकों को 02 दिन में चिन्हित सीमा तक दुकानें हटाने की समझाइश दी।

भोपाल के युवा उद्यमी आरिन रत्नेश ने वैश्विक बाजार में बनाई पहचान

फ्रांस को 46 हजार आईस्ड टी प्रीमिक्स पैक्स का निर्यात कर रचा सफलता का नया अध्याय

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के युवा उद्यमी एवं प्रमाणित टी टेस्टर आरिन रत्नेश ने अपने नवाचार, परिश्रम और उद्यमशीलता के बल पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनकी स्टार्टअप कंपनी हरितिमा फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फ्रांस को 46,000 आईस्ड टी प्रीमिक्स पैक्स का सफल निर्यात किया गया है। यह उपलब्धि न केवल उनके उद्यम की सफलता का प्रमाण है, बल्कि मध्यप्रदेश के उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम की बढ़ती वैश्विक पहचान को भी दर्शाती है।

आरिन रत्नेश ने युवावस्था में ही यह संकल्प लिया था कि वे भारतीय स्वाद और गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाएंगे। चाय के क्षेत्र में विशेष ज्ञान और नवाचार आधारित सोच के साथ उन्होंने ऐसे उत्पाद विकसित किए, जो गुणवत्ता, स्वाद और आधुनिक उपभोक्ता आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। उनके द्वारा विकसित आईस्ड टी प्रीमिक्स उत्पादों को विदेशी बाजार में भी सराहना मिली, जिसके परिणामस्वरूप फ्रांस जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़े स्तर पर निर्यात संभव हो सका।

अपनी इस उपलब्धि पर आरिन रत्नेश ने मध्यप्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तथा राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शासन और एमएसएमई विभाग से मिले मार्गदर्शन, प्रोत्साहन तथा विपणन अवसरों ने उनके व्यवसाय को नई दिशा दी। विशेष रूप से मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर द्वारा वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (ढ्ढढ्ढञ्जस्न-2025) में मध्यप्रदेश पवेलियन के माध्यम से उत्पादों के प्रदर्शन का अवसर मिलने से उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने आरिन रत्नेश की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के युवा अब नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित उद्यमों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है, ताकि युवाओं को अपने विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने के लिए बेहतर अवसर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो सके।

आज आरिन रत्नेश की सफलता उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखते हैं। उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, नवाचार और दृढ़ संकल्प के साथ मध्यप्रदेश के युवा वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

सुरक्षा गार्डो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

प्रापर्टी विवाद में हवाई फायर करने वाले गार्ड अरेस्ट, जेल भेजने की तैयारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मिसरोद थाना इलाके में स्थित सुरेंद्र लैंडमार्क में शनिवार देर रात शालीमार कॉलोनी के पास जमीन को लेकर हुए विवाद के चलते दो सिक्योरिटी गार्डो ने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से दर्जन भर राउंड फायरिंग कर दशहत फैला दी। बताया गया है की आरोपी गार्डो ने विवादास्पद जमीन पर साफ-सफाई करने पहुंचे ठेकेदार और उसके मजदूरों से हुए विवाद के बाद फायरिंग की थी।

घटना के समय पैट्रौलिंग कर लौट रहे टीआई रतन सिंह परिहार गोलियां की आवाज सुनते ही घटनास्थल पर पहुचें और साहसपूर्वक गोलियां चला रहे दोनों गार्डो की बंदूकों के बैरल के पकड़कर ऊपर की और कर दिए। बाद में टीआई और आरक्षक ड्रायवर ने दोनों गार्डो को काबू में कर उनसे बंदूकें छीन कर अपने कब्जे में लीं। मामले में पुलिस ने गार्डो ने के खिलाफ कार्यवाही की है। पुलिस के मुताबिक हनुमानगंज क्षेत्र में रहने वाले मीरचंदानी और परियानी परिवार की सुरेन्द्र लैंडमार्क स्थित शालीमार एन्क्लेव के पास कवर्ड कैम्पस में पांच एकड़ जमीन है। इनका शालीमार बिल्डर के नाम से कंस्ट्रक्शन का काम है। इस जमीन में करीब 12 हजार वर्गफिट हिस्सा अजय नागर का है। नागर चाहते हैं, उन्हें उनका 12 हजार वर्ग फिट का हिस्सा सामने की ओर होशंगाबाद रोड पर मिले। जबकि मीरचंदानी और परियानी परिवार का कहना है कि सीमांकन कराने के बाद जिसके हिस्से में जो जगह आए, वो ले ले। इसी विवाद को लेकर मामला कोर्ट में लंबित है।

अनमोल वचन

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
रविन्द्रनाथ टैगोर

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दख़ल देती है।
हरिशंकर परसाई

सम्पादकीय

कॉकरोच का जंतर मंतर में प्रदर्शन अरुण जेटली और सीजेआई संयोग?

संसद में जब विपक्षी दल सरकार पर नोटबंदी को लेकर विरोध जता रहे थे उस समय पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था जनता को यदि परेशानी होती तो वह सड़कों पर होती। जनता को नोटबंदी से कोई परेशानी नहीं है, विपक्षियों को नुकसान हुआ है इसलिए वह विरोध जता रहे हैं। कुछ समय पहले मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत जी ने बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच की पहचान से नवाजा था। इसके विरोध में सारे युवा एकजुट हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा, रोजगार, नौकरी और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दे पा रही है। स्नातक और पर परास्नातक की डिग्री लेने के बाद भी युवा बेरोजगार होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। हर परीक्षा में धांधली हो रही है। ऐसी स्थिति में युवाओं के बारे में जो टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने की उसने युवा कॉकरोच को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। रही सही कसर नीट परीक्षा का पेपर लीक होना तथा सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में जिस तरह की गड़बड़ी हुई है उसमें जो भ्रष्टाचार हुआ है उसको लेकर लाखों छात्र और उनके परिवारजन सड़कों पर आने के लिए विवश हुए हैं।6 जून काकरोचों के लिए एक ऐतिहासिक दिन साबित होने जा रहा है। जब अमेरिका से आकर दीपक अभीजीते के नेतृत्व में हजारों लोगों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंच गई। यह भीड़ अपनी लड़ाई अब स्वंय लड़ने के लिए देश भर में इकट्ठी हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से सरकार असंवेदनशील होती चली जा रही है। जन आंदोलनो को सख्ती के साथ दबाया जा रहा है। किसान आंदोलन से लेकर अभी तक जितने भी आंदोलन हुए हैं, सरकार ने आंदोलनो को दबाने के लिए पुलिस का सहारा समय-समय पर लिया है। लाठी चार्ज, वाटर कैनिंग, आंसू गैस के गोले इत्यादि का प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ दिया जाता है, लेकिन उनके द्वारा जिन समस्याओं को लेकर आंदोलन किए जा रहे थे उन पर केंद्र एवं राज्य सरकारें कोई निर्णय नहीं लेती हैं। अब पानी सर के ऊपर से गुजर चुका है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बाजारवाद, कर्ज ऐसे मामले हो गए हैं जिनसे सबसे ज्यादा परेशान युवा वर्ग है। पढ़ाई करने के बाद भी उसे कोई रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। जो प्रतियोगी अथवा चयन के लिए परीक्षाएं हो रही हैं उन सब में पेपर लीक हो रहे हैं। पिछले दरवाजे से नौकरियां दी जा रही हैं। सारी व्यवस्था सत्ता में बैठे हुए लोगों के हाथ में केंद्रित हो गई है। करोड़ों युवा यहां से वहाँ भाग रहे हैं। ना तो उन्हें कोई काम मिल रहा है ना सरकारी नौकरी मिल रही है और ना ही संविदा नौकरी ही मिल रही है, उल्टे हर परीक्षा के नाम पर बेरोजगारों को लूटा जा रहा है। इससे अब युवा वर्ग नाराज होकर सड़कों पर आ गया है। शासन-प्रशासन और न्यायालय से वह पूरी तरह से निराश हो चुका है। शासन-प्रशासन और न्यायालय, सरकार और पूंजीपतियों के दबाव में काम कर रही हैं, जिसके कारण युवा वर्ग इस समय आक्रोशित है। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। एसआईआर को लेकर जिस तरह से युवा मतदाताओं को परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा है, उन्हें अब यह भी शक होने लगा है कि वह भारत के नागरिक हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में अब उसका सड़कों पर उतरना तथा अपने जीवन की आर- पार की लड़ाई लड़ने का जैसे उसे एक लक्ष्य मिल गया है। युवा जिस तरह से आक्रोशित हैं उनका आक्रोश जायज है। जब वह परिवार में जाते हैं तो मां-बाप और परिवारजन उनकी बेरोजगारी को लेकर ताना कसते हैं।30-35 साल की उम्र हो जाने के बाद भी उनकी शादी नहीं हो पा रही है। शादी नहीं होने का कारण बेरोजगारी है। सरकारी पद करोड़ों की संख्या में खाली पड़े हुए हैं। लोग सेवानिवृत होते जा रहे हैं। सरकारी पदों पर लगातार कटौती की जा रही है। कानून बदल दिए गए हैं। अब ठेके पर संविदा नौकरी दी जा रही है उसमें अधिकतम 12000 से ?20000 तक मिल रहे हैं। यह नौकरी कभी भी छूट जाती है, जिसके कारण लड़के और लड़कियां शादी के बंधन में बंधना नहीं चाहते हैं। जब इतनी सारी समस्या हो तब केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सुप्रीम कोर्ट जैसे सबसे ऊंचे पद पर बैठे हुए लोग युवाओं की अनदेखी करें ऐसी स्थिति में युवाओं को सड़कों पर उतरने के अलावा कोई चारा भी नहीं है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना होगा। ऐसा क्यों हो रहा है, भारत सबसे बड़ा युवा आबादी वाला देश है। चीन जैसा देश जो कभी आबादी में सबसे बड़ा होता था उसने पिछले 30 वर्षों में जो विकास किया है उसने सारी दुनिया को चौंका दिया है। आज चीन निर्माण, रिसर्च और तकनीकी के क्षेत्र में सबसे आगे है और वह एक महाशक्ति बनने की कगार पर आकर खड़ा हो गया है। जिस तरह से चीन अमेरिका और रूस के मुकाबले आर्थिक और सामरिक संसाधनों से युक्त होते हुए उनके सामने खड़ा है। यह चीन की बड़ी सफलता है, लेकिन भारत इन्हीं 30 वर्षों में किस तरीके से चीन के ऊपर निर्भर होता चला गया है, हमने अपनी युवा पीढ़ी को सही दिशा देने में निश्चित रूप से कोई कोताही बरती है जिसके कारण पिछले 30 वर्षों में चीन के मुकाबले भारत तेजी के साथ बिछड़ना जा रहा है और आज हमारी सबसे बड़ी शक्ति जो युवा पीढ़ी के रूप में हमारे साथ है। वह आज सरकार, शासन-प्रशासन और पूंजीवाद के विरोध में सड़कों पर आने के लिए विवश हो गई है। सरकार इस गंभीर मामले को हल्के मे ले रही है।

चिंतन-मनन

हर मनुष्य के जीवन हैं दुख

एक बार भगवान बुद्ध से किसी भिक्षु ने पूछा-भगवान! ईश्वर है या नहीं है? बुद्ध ने इसका सीधा उत्तर न देकर प्रश्नकर्ता भिक्षु से कहा-मनुष्य की समस्या ईश्वर के होने या न होने की नहीं है। मनुष्य की मुख्य समस्या है उसके जीवन में आने वाले दुखों की। भगवान बुद्ध ने अपने कथन को स्पष्ट करते हुए तब कहा कि तुम स्वयं देखो। जन्म दुख है, जीवन दुखों का समूह है। जिसे वृद्धावस्था कहते हैं वह दुख है और मरण दुख है। इस रूप में मनुष्य का जन्म, वृद्धावस्था और मरण सभी दुख स्वरूप ही हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य जो चाहता है वह उसे कभी नहीं मिलता। यह उसके जीवन का दुख है। जिसे वह कभी नहीं चाहता वह उसे अवश्य मिलता है-यह इसका दुख है। अपने परम प्रिय का वियोग इसके जीवन का दुख है और जो अप्रिय है, उसका संयोग इसके जीवन का परम दुख है। उस प्रश्नकर्ता भिक्षु को संबोधित करते हुए भगवान ने कहा कि भिक्षु! अधिक विस्तार में न जाकर तुम संक्षेप में इतना ही जानो कि रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान ये सभी के सभी दुख स्वरूप ही हैं। रूप यानी जो संसार में दिख रहा है, यह रूप है और दुखात्मक है। वेदना यानी अनुभूति, दुख की अनुभूति दुखात्मक है। तथाकथित सुखात्मक अनुभूति भी अंतत: दुख ही देती है। संज्ञा अर्थात् नाम। यह भी अच्छे, बुरे, स्मरणीय और अविस्मरणीय के रूप में दुखात्मक है। संस्कार, जो पिछले अनेक जन्मों से चला आ रहा है, वर्तमान जन्म में हमारी आदत के रूप में दुख देता है। विज्ञान यहां आशय यानी विशेष ज्ञान, जो अहंकार आदि के रूप में प्रकट होकर हमारे दुख का कारण बनता है। इसलिए उन्होंने कहा कि भिक्षु! मनुष्य की समस्या ईश्वर के अस्तित्व या अनस्तित्व की नहीं है, उसकी समस्या है, उसके जीवन में व्याप्त दुखों की और इसका उपाय जानने के लिए मार्ग है, जीवन में प्राप्त होने वाले दुखों को सत्य रूप में देखना। यानी अपने अज्ञान को ज्ञान से नष्ट करने का प्रयास करना। यही दुख-निवृत्ति का सहज, सरल और सार्वकालिक मार्ग है। इसी मार्ग पर चलकर हमारी ऋषि-परंपरा के दार्शनिकों ने दुख-निवृत्ति का मार्ग पाया है। भौतिक वस्तुओं के पीछे भागने से आनंद की प्राप्ति नहीं होगी, यह परम सत्य है। भौतिक पदार्थो से अंत में दुख ही मिलता है। इस सत्य को जानकर व्यक्ति दुखों से निवृत्त हो जाता है।

पीएमएसएमए का एक दशक

मातृ स्वास्थ्य का कायाकल्प और सुरक्षित मातृत्व की ओर भारत की यात्रा का गतिवर्द्धन

जगत प्रकाश नड्डा

पिछले दशक में देश में मातृत्व से संबंधित मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। इस प्रगति का आधार मातृत्व स्वास्थ्य में निरंतर निवेश, सेवा डिलीवरी प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक भागीदारी है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता रखी है कि हर महिला को उसकी समूची गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिल सके।

हर सुरक्षित गर्भ राष्ट्र की अपनी महिलाओं के लिए प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। हमारे देश के हर साल लगभग 2.9 करोड़ गर्भधारण होते हैं। इस बड़े पैमाने पर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए मजबूत स्वास्थ्य तंत्रों, निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता, समय पर हस्तक्षेप और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक न्यायसंगत पहुंच की जरूरत है। इस कायाकल्प के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है। यह अभियान पिछले 10 वर्षों से देश भर में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दे रहा है। पीएमएसएमए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की कल्पना है जिसे 9 जून 2016 को शुरू किया गया था। यह सभी गर्भवती महिलाओं को गर्भ की दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान हर महीने के नौवें दिन मुफ्त सुनिश्चित, समग्र और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल सेवाएं मुहैया कराने का राष्ट्रव्यापी अभियान है। यहां हर माह के नौवें दिन के चयन का एक गहरा महत्व है। गर्भावस्था नौ बेशकीमती महीनों की यात्रा है। इनमें से हर माह नई उम्मीद, अनुमान और जिम्मेदारी लेकर आता है। हर महीने का नौवां दिन मातृ स्वास्थ्य को समर्पित कर पीएमएसएमए यह याद दिलाता है कि प्रत्येक गर्भावस्था स्वस्थ शिशु के सुरक्षित आगमन तक सभी नौ महीनों में निरंतर देखभाल, निगरानी और सहायता की हकदार है।

मातृ स्वास्थ्य का सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि कोई भी गर्भावस्था जोखिम से पूरी तरह मुक्त नहीं होती। आज सामान्य दिखाई देने वाली गर्भावस्था में कल गंभीर जटिलताएं विकसित हो सकती हैं। पीएमएसएमए में यह स्वीकार किया गया है कि कोई भी गर्भावस्था बिना किसी चेतावनी के उच्च जोखिम वाली बन जा सकती है। लिहाजा, इस अभियान में जोखिमों की जल्दी पहचान कर उनकी नजदीकी निगरानी तथा समय पर निर्देशन और प्रबंधन सुनिश्चित करने का सरल लेकिन परिवर्तनकारी दृष्टिकोण अपनाया गया है। उच्च जोखिम वाली हर चिह्नित गर्भावस्था माता की जान बचाने तथा समयपूर्व प्रसव, शिशु में जटिलताओं या जीवन पर्यंत विकलांगता को रोकने का एक अवसर है। इस अभियान में जटिलताओं के उपचार के बजाय उनकी रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस तरह इसने भारत के मातृ स्वास्थ्य देखभाल तंत्र को मजबूत कर करोड़ों महिलाओं के लिए गर्भावस्था को सुरक्षित बनाया है। पीएमएसएमए की प्रमुख विशेषताओं में से एक निर्धारित दिन को संस्थागत रूप देकर विशेषज्ञ के नेतृत्व में प्रसवपूर्व सेवा सुनिश्चित करना है। इससे देश भर में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में अनुमानेयता, जवाबदेही और निरंतरता आई है। इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की लगभग 25 उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था स्थितियों के लिए जांच की जाती है। इनमें खून की गंभीर कमी, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, संक्रमण और अन्य ऐसी जटिलताओं की जांच शामिल है जिनके पता नहीं चलने पर माता और शिशु का जीवन जोखिम में पड़ सकता है।

चूंकि इस बात के साक्ष्य सामने आए कि गर्भधारण के ज्यादा जोखिम वाले मामलों में पीएमएसएमए के तहत किसी विशेषज्ञ/चिकित्सक द्वारा नियमित प्रसव पूर्व जांच के बाद भी निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है, इसलिए भारत सरकार ने 2022 में 'विस्तारित पीएमएसएमए' (इ-पीएमएसएमए) की शुरुआत करके इस कार्यक्रम को और अधिक बेहतर बनाया है।

ई-पीएमएसएमए के तहत, ज़्यादा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को नियमित पीएमएसएमए जाँच के अलावा अतिरिक्त चिकित्सीय सलाह (फ़ॉलो-अप विज़िट) की सुविधा भी मिलती हैं, ताकि सुरक्षित डिलीवरी तक समय पर देखभाल सुनिश्चित की जा सके। इस पहल के अंतर्गत उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की नाम-आधारित ट्रैकिंग शुरू की गई है और प्रसव के बाद 45 दिन तक फॉलो-अप परामर्श के लिए इसे बेहतर किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कमज़ोर स्थिति वाली महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के तुरंत बाद की कुछ अवधि के दौरान निरंतर देखभाल मिलती रहे। अतिरिक्त जांच के लिए ज्यादा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के साथ जाने वाली मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा कार्यकर्ता) के लिए प्रोत्साहन राशि के प्रावधान ने रेफरल के नियमों और निरंतर देखभाल को और अधिक सुदृढ़ किया है। कार्यान्वयन, निगरानी और जवाबदेही को और अधिक बेहतर करने के लिए, भारत सरकार ने एक केंद्रीकृत पीएमएसएमए डिजिटल पोर्टल विकसित किया है, जो देश भर में कार्यक्रम प्रबंधन के मुख्य आधार के तौर पर काम करता है।

यह पोर्टल सेवा वितरण की वास्तविक समय पर रिपोर्टिंग, उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की नाम-आधारित ट्रैकिंग, कार्यक्रम के प्रदर्शन की निगरानी और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्लेटफॉर्म निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और सामुदायिक स्वयंसेवकों को भी कार्यक्रम में योगदान देने की सुविधा देता है जिससे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'जन भागीदारी' के दृष्टिकोण को और मजबूती मिलती है, यही पीएमएसएमए की मूल भावना है। पीएमएसएमए की सफलता भारत के मातृ स्वास्थ्य तंत्र में विभिन्न योजनाओं के आपसी समन्वय के महत्व को भी रेखांकित करती है। जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन), राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस), पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), आयुष्मान भारत और मिडवाइफ सेवाएं, प्रसवोत्तर देखभाल का अनुकूलन (ओपीएनसी) जैसी पहलों के साथ मिलकर काम करते हुए, पीएमएसएमए ने गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद की अवधि के दौरान भी महिलाओं के लिए निरंतर देखभाल के एक मजबूत ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस परिवर्तन के केंद्र में भारत के अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता जैसे की मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा कार्यकर्त्ता), आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम), सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, नर्स, मिडवाइफ और चिकित्सा अधिकारी हैं। सामुदायिक भागीदारी, परामर्श (काउंसलिंग), जांच, रेफरल और फॉलो-अप परामर्श में उनके अथक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि मातृ स्वास्थ्य सेवाएं देश के सबसे दूरदराज और वंचित क्षेत्रों की महिलाओं तक भी पहुंच सकें। इन सामूहिक प्रयासों का प्रभाव राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिणामों में तेजी से दिखाई दे रहा है। वर्ष 2022-24 के नवीनतम नमूना पंजीकरण प्रणाली (सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम) के अनुमानों के अनुसार, भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर प्रति 1,00,000 जीवित शिशुओं पर 87 हो गया है। यह देश को 2030 तक मातृ मृत्यु दर को प्रति लाख जीवित शिशुओं पर 70 से कम करने के संवहनीय विकास लक्ष्य को हासिल करने के काफ़ी करीब पहुँच गया है। ये सुधार माताओं की सेहत से जुड़े व्यापक पैमानों में भी दिखाई देते हैं। हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6, 2023-24) की रिपोर्ट के अनुसार, संस्थागत प्रसव (संस्थानों/अस्पतालों में होने वाले प्रसव) की दर एनएफएचएस-5 (2019-21) के 88.6% से बढ़कर 90.6% हो गई है, जबकि प्रसव पूर्व देखभाल का दायरा एनएफएचएस-5 के 92.6% से सुधरकर एनएफएचएस-6 में 95.9% हो गया है ये उपलब्धियां यह दर्शाती हैं कि पहले की तुलना में अब कहीं अधिक संख्या में महिलाएं आवश्यक मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा रही हैं, जिससे जटिलताओं का जल्द पता लगाने और समय पर उचित उपचार के बहुमूल्य अवसर पैदा हो रहे हैं।

लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री है

हिंसा के दुष्चक्र से बाहर निकलने के लिए भरोसे संवाद और न्याय की सबसे बड़ी जरूरत

कांतिलाल मांडोत

मणिपुर की समस्या को केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे ऐतिहासिक विवाद जातीय असुरक्षाएं राजनीतिक मतभेद और संसाधनों पर अधिकार को लेकर लंबे समय से चली आ रही प्रतिस्पर्धा भी शामिल है। राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच संबंध समय के साथ जटिल होते गए हैं। जब भी कोई हिंसक घटना होती है तो उसका प्रभाव केवल प्रभावित परिवारों तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा हो जाता है। बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है।

पूर्वोत्तर भारत का सुंदर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य मणिपुर पिछले कई वर्षों से अशांति और हिंसा की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक बार फिर कांगपोकपी जिले में हुई दर्दनाक घटना ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर मणिपुर की आग कब बुझेगी। हथियारबंद हमलावरों द्वारा एक गांव पर किए गए हमले में चर्च से जुड़े तीन लोगों की हत्या कर दी गई जिनमें सात माह की गर्भवती महिला भी शामिल थी। कई लोग घायल हुए और अनेक घर जलकर राख हो गए। यह घटना केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु भर नहीं है बल्कि उस गहरे सामाजिक विभाजन और अविश्वास का प्रतीक है जिसने मणिपुर को लंबे समय से अपनी गिरफ्त में ले रखा है।

हाल की घटना ने एक बार फिर यह दिखाया है कि हिंसा का कोई धर्म जाति या समुदाय नहीं होता। गोली और आग केवल जान लेती है। वह यह नहीं देखती कि सामने कौन है और उसकी पहचान क्या है। जब एक गर्भवती महिला हिंसा का शिकार होती है तो उसके साथ एक अजन्मा जीवन भी समाप्त हो जाता है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए गहरी पीड़ा और आत्ममंथन का विषय होना चाहिए। ऐसे समय में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। मणिपुर में लंबे समय से चल रहे संघर्ष ने दोनों प्रमुख समुदायों के बीच अविश्वास की ऐसी खाई पैदा कर दी है जिसे केवल सुरक्षा बलों की तैनाती से नहीं भरा जा सकता। सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है क्योंकि नागरिकों की रक्षा राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन स्थायी शांति केवल हथियारों के बल पर स्थापित नहीं की जा सकती। शांति तब आती है जब लोग एक दूसरे को दुश्मन नहीं बल्कि पड़ोसी और साथी नागरिक के रूप में देखने लगते हैं। इसके लिए संवाद और मेलमिलाप की प्रक्रिया को मजबूत करना होगा।

सरकार की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य और केंद्र दोनों सरकारों को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा जिसमें सभी समुदाय अपनी बात खुलकर रख सकें और उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाए। केवल राजनीतिक बयान पर्याप्त नहीं हैं। जमीनी स्तर पर विश्वास बहाली के ठोस प्रयास आवश्यक हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है उन्हें न्याय मिलना चाहिए। दोषियों की पहचान कर निष्पक्ष कार्रवाई की जानी चाहिए। जब लोगों को यह भरोसा होगा कि कानून सभी के लिए समान है तभी व्यवस्था में विश्वास लौटेगा।

हालांकि केवल सरकार के प्रयासों से समस्या का समाधान संभव नहीं है। समाज के विभिन्न वर्गों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। धार्मिक संगठन सामाजिक संस्थाएं बुद्धिजीवी युवा और स्थानीय नेतृत्व शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चर्च मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि समाज को जोड़ने वाले मंच भी बन सकते हैं। यदि विभिन्न समुदायों के धार्मिक और सामाजिक नेता मिलकर शांति का संदेश दें तो उसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

मणिपुर की वर्तमान स्थिति यह भी बताती है कि अफवाहें और नफरत फैलाने वाली सूचनाएं कितनी खतरनाक हो सकती हैं। डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से गलत जानकारी तेजी से फैलती है और लोगों की भावनाओं को भड़का सकती है। इसलिए जिम्मेदार संवाद और तथ्य आधारित जानकारी का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। मीडिया को भी अपनी भूमिका संतुलित और संवेदनशील ढंग से निभानी होगी ताकि तनाव कम हो और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचे।

युवाओं को हिंसा से दूर रखना भी समय की मांग है। संघर्ष और अशांति का सबसे अधिक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। यदि उन्हें शिक्षा रोजगार और सकारात्मक अवसर नहीं मिलेंगे तो वे निराशा और कट्टरता की ओर बढ़ सकते हैं। इसलिए विकास और शांति को एक दूसरे का पूरक मानते हुए आगे बढ़ना होगा। स्कूलों कॉलेजों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव और आपसी सम्मान की भावना को बढ़ावा देना चाहिए।

मणिपुर का इतिहास केवल संघर्ष का इतिहास नहीं है। यह सांस्कृतिक विविधता परंपराओं और सहअस्तित्व की समृद्ध विरासत का भी इतिहास है। सदियों से विभिन्न समुदायों ने यहां साथ रहकर अपनी पहचान को विकसित किया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि उस साझा विरासत को याद किया जाए और उसे भविष्य की नींव बनाया जाए। विभाजन की राजनीति और हिंसा का रास्ता अंतत: सभी को नुकसान पहुंचाता है जबकि संवाद और सहयोग सभी के लिए बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

कांगपोकपी की घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया है। निर्दोष लोगों की हत्या और घरों का जलना केवल समाचार नहीं बल्कि उन परिवारों का असहनीय दर्द है जिनकी दुनिया एक पल में बदल गई। इस पीड़ा को समझना और उससे सीख लेना जरूरी है। यदि हर नई घटना के बाद केवल शोक व्यक्त किया जाए और फिर सब कुछ पहले जैसा चलता रहे तो समाधान कभी नहीं निकलेगा। मणिपुर की आग तब बुझेगी जब भय की जगह विश्वास लेगा। जब प्रतिशोध की जगह संवाद होगा। जब राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ सामाजिक सहभागिता भी जुड़ेगी। जब हर समुदाय यह महसूस करेगा कि उसकी सुरक्षा सम्मान और अधिकार सुरक्षित हैं। और सबसे महत्वपूर्ण तब जब इंसान की पहचान किसी जातीय या सामुदायिक खांचे से पहले एक नागरिक और एक मानव के रूप में की जाएगी। शांति कोई एक दिन में हासिल होने वाली उपलब्धि नहीं है। यह धैर्य समझदारी और निरंतर प्रयासों का परिणाम होती है। मणिपुर को आज इसी सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है।

पढ़ाई हेतु मेहनत और लगन जरुरी

संजय गोस्वामी

आज सी बी एस सी के बहुत से छात्रों के फेल होने पर खुद बच्चे पर नहीं सिस्टम पर दोष देना सही नहीं है क्योंकि मैं खुद ही एक छात्रों से मिला हूँ जो कुछ नम्बर से फेल हुए हैं एक गणित के प्रश्न पत्र पर 80 न का कुल अंक था मैंने पूछा कितना सॉल्व किये वो खुद इसको लेकर कंफ्यूज था बाद में बताया पेपर ठीक नहीं गया है और 20-25 न तक ही बना पाएं हैं और मार्क आया 18 कहाँ गलत है 5-10 परसेंट आगे पीछे होते हैं लेकिन ऐसा नहीं होगा कि आप 80 न का सही बनाए और 10-20 न मिला है तो हमें बताये कहाँ हुआ है क्योंकि मैं भी जानना चाहता हूँ कि सही में हकीकत क्या है आप कल्पना कीजियेगा जब मैं खुद मैट्रिक में गणित में बहुत अच्छा पढ़ने के बाद भी मेरा एग्जाम ठीक ही नहीं टेढ़े सवाल में उलझ गए बाद में समय निकला और अंत में पेपर ख़राब हुआ और जैसा मैंने सोचा था लगभग उतना ही आया पासिंग मार्क से कुछ ही ज्यादा जो सबसे अंतिम सब्जेक्ट हो गया मुझे इस बात का दु:ख हुआ कि जिस टीचर ने इतना मेहनत कर पढ़ाया और उसी के सामने मुँह दिखाने के लायक नहीं हूँ लेकिन एक दिन रास्ते में मिले और कहा तुम अच्छे स्टूडेंट हो और ऐ एक बैड लक हुआ लेकिन तुम आगे मैथ में अच्छा करोगे अभी तो पूरा कैरियर बाकि है अत: मैंने इंटर में साइंस में मैथ और सांख्यिकी दोनों लिया और एक से एक पुस्तक खरीदी और जहाँ पेपर का कटा छठा खाली पेपर मिलता था वहाँ से किलो के भाव में ख़रीदा और खुब प्रैक्टिस किया और जो 10 वीं में मैथ में खुब नम्बर लाये थे वो भी इंटर में मैथ लिया कुछ तो उसी लय में अच्छा किया कुछ इस गलतफहमी में रह गए की दसवीं में गणित में 100 में 99-100 मिला है तो इंटर में भी ऐसा ही होगा थोड़ा पढ़ते फिर ख़िताब बन्द कर देते और बाद में बुरे दोस्तों के मण्डली में गए और सिगरेट तम्बाकू और यहाँ तक जवानी के जोश में अवैध तरीके से कोने में घुसकर ब्लू फ़िल्म एक बार क्या देखा उसकी आदत लग गई और जब एग्जाम में बैठा तो पसीने छूटने लगे कभी आगे देखा कभी पीछे उधर इनविजलेटर बार बार चिल्ला रहा था बाद में मजिस्ट्रेट आया और उठा कर लें गया अत: परीक्षा 10 वीं आपको आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है लेकिन इंटर आपका करियर बनाता है वही से शुरुआत होता है आपका भविष्य और एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है कि आज के समय में गणित पर पकड़ होना बहुत जरुरी है भले ही आप आर्टस लो क्योंकि आज ए आई और डाटा साइंस फाइनेंस में गणित ही काम आता है और ऐ भी ध्यान देना जरुरी है कि दसवीं का मैथ और इंटर का मैथ बिलकुल अलग है और मैथ ही एक ऐसा विषय है जो क़ोई भी टीचर अन्य विषयों जैसा नहीं पढ़ा सकता है ना ही रट्टा लगाकर पास कर सकते है इसमें मेहनत और संयम और काफी प्रैक्टिस की जरुरत होती है आज तो फिर भी प्रश्न पहले से कठिन नहीं रहते हैं पहले के दौर में इंटर साइंस मैथ में कम लोग पास करते थे उसके प्रश्न आज के प्रश्न से काफी कठिन होते थे नहीं होता है तो गूगल में देखिए 1975 के दौर का गणित और आज का गणित, उसमें ग्रेजुएशन लेवल के मैथ रहते थे आज बहुत से क्वेश्चन ऑब्जेक्टिव आते हैं जिसमें उतना मेहनत नहीं दिमाग़ दौड़ाकर ही हल कर सकते हैं खैर जब मुझे 10 वीं में मैथ में अच्छा स्टूडेंट होने के बाद एग्जाम में पासिंग मार्क के करीब आया तो धक्का लगा और खुब प्रैक्टिस की एक तरीके से नहीं दो तीन तरीके से बनाने की कोशिश की दिनभर यही सोचता आखिर बन क्यों नहीं रहा है फिर लग जाता सॉल्व करने में ऐ 1988 की बात है उस समय स्टेट बोर्ड था और सी बीएस सी भी लेकिन ज्यादा लोग स्टेट बोर्ड से ही करते क्योंकि उसमें फीस कम लगता था और लोग कॉलेज भी जाते थे खैर कॉलेज में भी जाना जरुरी होता है क्योंकि वहाँ जब टीचर क़ोई सवाल पूछता और फट सा उत्तर दे देते तो आपका हौसला बढ़ता था एक बार फिजिक्स के जाने माने टीचर ने एक सवाल पूछा और किसी से नहीं हुआ तो मैंने बना दिए थे तो वो बहुत खुश हुए और कॉफीडेन्स लेवल बढ़ा, और हमने तो एक साल में ही मैथ को इंटर में ही पूर्ण किया और फिर भी प्रैक्टिस करता रहा जब एग्जाम हुए।

खास बात

राहुल गांधी की समुद्र में स्कूबा ड्राइविंग

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों ग्रेट निकोबार में जाकर स्कूबा ड्राइविंग कर उसका वीडियो रिलीज कर दिया है। गहरे नीले समुद्र में रंग बिरंगी कोरल रीफ और समुद्री जीवों की जो फोटोग्राफी उन्होंने की है। वह अद्भुत है। राहुल गांधी जो सोचते हैं वह करके दिखा देते हैं। उनका मुकाबला प्रधान मंत्री मोदी से है। यह मुकाबला किस और जाएगा, कहना मुश्किल है। राहुल गांधी निशाना अडानी पर साधते हैँ, घायल प्रधानमंत्री मोदी होते हैं। यह अपने आप में अजूबा है।

बुलडोजर तो चलेगा जुल्म की इंतेहा जो हुई

बुलडोजर कार्यवाही को लेकर देशभर में चर्चा आम हो चली है। फिलहाल संभल के कसेरवा गांव में मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक पिंकी यादव ने नाराजगी जताई है। बर्क ने तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए यहां तक कह दिया, कि तमाम कानूनी प्रयासों और गुहार के बावजूद प्रशासन ने मस्जिद को ध्वस्त कर दिया। यह तो जुल्म की इंतेहा हो गई। विधायक पिंकी यादव ने बुलडोजर कार्रवाई के जरिए एक विशेष समुदाय और पीडीए समाज को निशाना बनाए जाने की बात कही। वहीं कहने वाले कह रहे कि बुलडोजर तो चलेगा जुल्म इंतेहा जो हो गई है।

ढिल्लो की नियुक्ति और डॉ. राजू का इस्तीफा

पंजाब भाजपा में संगठनात्मक बदलावों के बीच जैसे ही केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष बनाया गया वैसे ही दूसरी तरफ पार्टी को एक बड़ा झटका लग गया। दरअसल भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. जगमोहन सिंह राजू ने प्रदेश महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संगठन मंत्री को इस संबंध में एक पत्र भेजा है। राजनीतिक हलकों में उनके इस्तीफे को पंजाब भाजपा में हाल ही में हुए नेतृत्व परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। मतलब नियुक्ति और इस्तीफा के तार आपस में जुड़े हुए हैं?

आनंद महिंद्रा की सराहनीय इच्छा

उत्तराखंड के नैनीताल की सड़कों पर जादू दिखाने वाले एक बाल कलाकार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे प्रभावित उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने उसकी न सिर्फ खुलकर प्रशंसा की बल्कि उसकी मदद करने की इच्छा भी जताई है। यही नहीं महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर बच्चे का वीडियो साझा किया, उसे असाधारण प्रतिभाशाली बताया और लोगों ने उसका पता लगाने को कहा, ताकि उचित मदद की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो यह बच्चा भविष्य में दुनिया के श्रेष्ठ जादूगरों में शामिल हो सकता है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, नवमी, मंगलवार, उ.मा. नक्षत्रे, आद्र योगे, तैतिल करणे, मीन की चंद्रमा, मूल प्रा. रात्रि आ. 4/33 सर्वार्थ सिद्ध योग, सूती स्नान मुर्हूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, जातकर्म, विद्याभूषण धनी होगा।

मेष राशि- भाग्योदय का अच्छा समय है, संतान से सुखयोग, बाधा दूर होगी।

वृष राशि- यात्रा में धन व्यय होगा, शरीर कष्ट प्राप्त होगा, मनोवृत्ति ठीक हो।

मिथुन राशि- व्यवसाय में लाभ अच्छा मिले, किसी मांगलिक उत्सव में समलित होंगे।

कर्क राशि- सोचे हुए कार्यों में विघ्न उत्पन्न होगा तथा मन में अशांति पैदा होगी।

सिंह राशि- धन का लाभ होगा, आनंद प्राप्त होगा, सुसमाचार, प्रयासों में सफलता मिले।

कन्या राशि- धन लाभ तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा, आगे बढ़ेंगे, ध्यान अवश्य ही रखें।

तुला राशि- अधिक परिश्रम से लाभ मिलेगा, शत्रुदल कष्ट कारक होंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- दामपत्य जीवन के मधुर संबंध का आनंद मिलेगा तथा संतान सुख होगा।

धनु राशि- विरोधियों से आप सतर्क रहें, मानसिक तनाव बन सकता है, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि- यात्रा तथा संतान की ओर से विपरीत ब्योहार मिलेगा, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि- मांगलिक उत्सव में उपस्थित होंगे, बुधवार-शुक्रवार को लाभ होगा।

मीन राशि- स्थिति में कुछ सुधार होगा, सप्ताह में स्वास्थ्य कुछ ठीक हो तो कुछ खराबी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

9 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.43 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.56 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.12 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.24 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.35 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.50 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.11 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.57 बजे से
		मीन	00.30 बजे से
		मेष	02.01 बजे से
		वृष	03.41 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 160 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 02.35 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 09.40 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 08.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.06 बजे तदनन्तर गर 02.35 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872735
जूलियन दिन 2461200.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सहेली के साथ रहने की जिद पर युवती से मारपीट

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र में दो युवतियों की दोस्ती और साथ रहने की इच्छा को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। एक युवती ने आरोप लगाया है कि उसकी सहेली के परिजनों ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। मामले में द्वारकापुरी पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना रविवार देर रात की है।द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार स्वाति नामक युवती की शिकायत पर नितेश, उमेश, कृष्णा और नेहा के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। स्वाति का कहना है कि उसकी एक युवती से पिछले पांच सालों से दोस्ती है और दोनों साथ रहना चाहती हैं।वैष्णो देवी यात्रा के बाद बढ़ा विवाद-शिकायत के मुताबिक दोनों युवतियां मार्च महीने में वैष्णो देवी, मथुरा, जम्मू-कश्मीर और हरिद्वार घूमने गई थीं। इसके बाद सहेली के पति और परिजनों को उनके रिश्ते पर आपत्ति होने लगी। आरोप है कि रविवार की दरमियानी रात करीब 12:30 बजे सहेली के परिजन उसके घर पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया।

भोजशाला के गर्भगृह में स्थापित हुई मां वाग्देवी की अष्टधातु प्रतिमा

प्रतिमा रखने से मचा हड़कंप, ASI ने की त्वरित कार्रवाई; परिसर में बढ़ी चौकसी

धार ■ निसं

धार जिले में स्थित भोजशाला परिसर में मां वाग्देवी की अष्टधातु की प्रतिमा विराजित किए जाने की घटना के बाद प्रशासन भी हरकत में आया है। परिसर के अंदर सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी गई है। मामला संज्ञान में आने के तुरंत बाद प्रतिमा को प्रशासन ने हटा दिया है। अभी ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि, परिसर के अंदर इस प्रतिमा को कौन लेकर आया था। गर्भगृह में पूर्व की भांति मां वाग्देवी का प्रतीकात्मक स्वरूप स्थापित था, जिसकी पूजा - अर्चना की गई। वहीं, घटनाक्रम को लेकर कोई भी जवाबदार अधिकारी बयान देने की स्थिति में नहीं है। एएसआई अधिकारी प्रशांत पाटनकर ने अधिकृत बयान देने से साफ इंकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि, शनिवार दोपहर को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भोजशाला परिसर में प्रवेश करने के साथ गर्भगृह में मां वाग्देवी की अष्टधातु की प्रतिमा को रख दिया था।

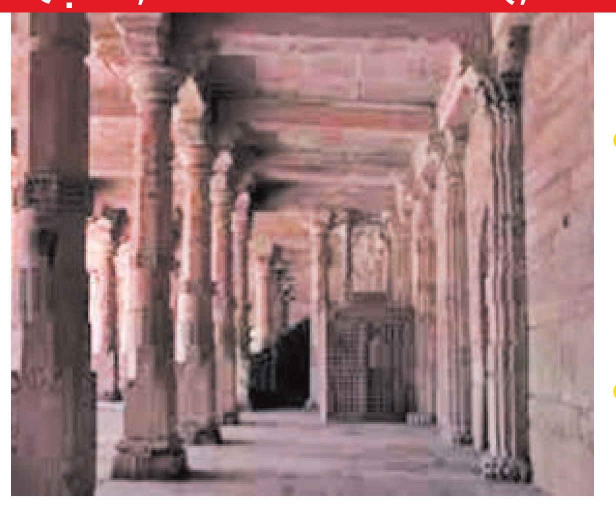

जानकारी मिलते ही एएसआई के उड़े होश

- शाम करीब साढ़े 6 बजे जैसे ही यह जानकारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों तक पहुंची तो उनके होश उड़ गए। परिसर में हड़कंप मचने के बाद एएसआई की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रतिमा को हटाया गया। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि प्रतिमा को परिसर में
- कौन लेकर आया, किसने स्थापित किया और सुरक्षा तंत्र को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिल सकी।

कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था के साथ सीसीटीवी से निगरानी

वैसे तो भोजशाला परिसर में हमेशा से ही सुरक्षा व्यवस्था तैनात रही है लेकिन हाईकोर्ट के फैसले के बाद संवेदनशीलता को देखते हुए यहां कई लेयर में सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई है। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के साथ-साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास सुरक्षा का जिम्मा है। परिसर के बाहरी हिस्से में पुलिस चौकी बनाई है और यहां 24 घंटे जिला पुलिस के साथ विशेष सुरक्षा बल तैनात रहते हैं। इसके अलावा यह पूरा परिसर सीसीटीवी से लैस है। परिसर में अंदर जाने के लिए मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ता है। चूंकि यह परिसर एएसआई के अधीन है इस कारण इसके अंदर एएसआई के सुरक्षा गार्ड भी 24 घंटे निगरानी करते हैं।

घटना से पहले ही पहुंचे थे एएसआई अधीक्षक- जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर एएसआई के अधीक्षक डॉ शिवाकांत बाजपेई भोजशाला पहुंचे थे। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों से हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप लागू सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की थी।

ट्रेजर टाउन बना जल संरक्षण की मिसाल

इंदौर ■ निसं

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी की अपील को सार्थक रूप देते हुए नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण कार्य युद्ध स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। अभियान में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन, रहवासी संघ, शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक प्रतिष्ठान एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने ट्रेजर टाउन कॉलोनी का निरीक्षण किया। कॉलोनी में जनभागीदारी से प्रत्येक भवन के वर्षा जल आउटलेट को रिचार्ज पिट से जोड़कर भू-जल संवर्धन का मॉडल विकसित किया जा रहा है। अब तक चार रिचार्ज पिट बन चुके हैं और लक्ष्य वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को कॉलोनी में संरक्षित करना है।

महापौर ने इस पहल को अन्य कॉलोनियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए जल संरक्षण में नागरिक सहभागिता को आवश्यक बताया। नगर निगम इंदौर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहरभर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं भू-जल पुनर्भरण कार्यों को गति दे रहा है।

10 दिन से लापता सुल्तान का शव इंदौर में मिला

उज्जैन। जिले के ग्राम पीरझलार से 10 दिन पहले रहस्यमयी ढंग से लापता हुए 35 वर्षीय सुल्तान पटेल का शव इंदौर के यशवंत सागर जलाशय से बरामद हुआ है। शव मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को शुरूआती जांच में मृतक के परिजनों पर ही शक है जानकारी के मुताबिक सुल्तान पटेल की पत्नी फजार्ना पटेल 29 मई को बड़नगर थाना पुलिस पहुंची थीं। उन्होंने पति के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आरक्षक ने किया रक्तदान

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में पुलिस की तत्परता से एक बीमार महिला की जान बच गई। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस ने एक छात्र की गुहार पर तत्काल रक्त की व्यवस्था की, जिसमें एक आरक्षक ने रक्तदान किया। जानकारी के अनुसार, इस्कॉन मंदिर के पीछे रहने वाले कक्षा 7वीं के छात्र सूरज भाटी ने चिमनगंज मंडी थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया को फोन किया। सूरज ने अपनी मां सुनीता भाटी के लिए रक्त की व्यवस्था करने की गुहार लगाई। सुनीता भाटी बिरला अस्पताल में भर्ती थीं और पिछले दो दिनों से परिवार रक्त का इंतजाम नहीं कर पा रहा था। सूरज के पिता राजू भाटी का दो वर्ष पूर्व बीमारी के कारण निधन हो चुका है। सुनीता घरेलू कामकाज कर अपने तीन बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। बेटे की गुहार सुनते ही थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया अस्पताल पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी ने तत्काल थाना स्टाफ के व्हाट्सएप ग्रुप में बी-पॉजिटिव रक्तदाता की आवश्यकता का संदेश प्रसारित किया।

फटा तिरंगा फहराने पर विवाद, होटल पर कार्रवाई की मांग

बेटमा ■ निसं

बेटमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत महू-नीमच रोड स्थित घाटाबिल्लोद ब्रिज के समीप संचालित चौधरी होटल एंड रेस्टोरेंट में फटा एवं क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार होटल परिसर में राष्ट्रीय ध्वज खराब अवस्था में लहराता हुआ देखा गया, जिसके बाद स्थानीय नागरिकों ने इसे तिरंगे की गरिमा के विपरीत बताते हुए प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि होटल का संचालन सत्यनारायण चौधरी द्वारा किया जाता है। नागरिकों का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा इसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है फ्लैग कोड ऑफ इंडिया, 2002 के अनुसार फटा, क्षतिग्रस्त, मैला अथवा विकृत राष्ट्रीय ध्वज सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में ध्वज को सम्मानपूर्वक हटाने का प्रावधान है। वहीं राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत भी राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से जुड़े नियम निर्धारित किए गए हैं।

मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज की स्थिति की समय-समय पर निगरानी की जानी चाहिए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल मामले में प्रशासनिक जांच की मांग की जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं तथा संबंधित पक्ष की जिम्मेदारी क्या है।

देर रात बदमाशों ने मचाया उत्पात:कारों के कांच फोड़े, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

इंदौर। मल्हारगंज और सदर बाजार थाना क्षेत्र की कॉलोनियों में शनिवार देर रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। दो पहिया वाहनों पर आए बदमाशों ने एक के बाद एक तीन से अधिक कारों के कांच फोड़ दिए। इसके अलावा सड़क पर खड़े दो पहिया वाहनों को भी गिरा दिया। घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया।पुलिस के मुताबिक घटना अर्जुन पल्टन, राधा कॉलोनी और नीलकंठ कॉलोनी की है। देर रात करीब तीन बजे बदमाश दो वाहनों से पहुंचे और कॉलोनियों में खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। उन्होंने तीन कारों के कांच भी फोड़ दिए। पुलिस ने पीछा कर एक संदिग्ध को पकड़ लिया।

निगमायुक्त मिश्रा की सख्ती से कोयला फाटक कंठाल मार्ग चौड़ीकरण का काम पूर्णता की ओर

उज्जैन ■ निसं

निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा की रात-दिन की मेहनत, संभागायुक्त आशीषसिंह और कलेक्टर रौशनकुमार सिंह की मॉनिटरिंग के कारण शहर में सबसे पहले चौड़ी होने वाली कोयला फाटक-कंठाल चौराहा सड़क अब पूर्णता की ओर है। करीब एक साल से इस सड़क का काम बेहद धीमी गति से चल रहा था और लोग बेहद परेशान थे। पर निगमायुक्त ने लगातार दौरे कर ठेकेदार और अफसरों की लगाम कसी तो दूसरी बरसात से पहले यह रोड पूरा होने की तरफ आ गया है। मिश्रा रविवार को मुआयना करने पहुंचे तो रहवासियों-व्यापारियों के सहयोग की खूब सराहना की। साइड पोर्च पर पेवर ब्लॉक लगाने और नालियों पर सीमेंट कांक्रीट का काम अंतिम चरण में है।

मार्ग चौड़ीकरण पूरा करने के लिए संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त ने लगातार दौरे किए। दिन के साथ उन्होंने रात में भी काम करवाया। प्री-कास्ट नाली निर्माण, आईईसी चेंबर, सीवरेज लाइन और पेयजल सप्लाई लाइन बिछाने का काम भी साथ-साथ चला।

निगम आयुक्त ने बताया कि इस मार्ग पर डीएलसी (ड्राई लीन कंक्रीट) कार्य के साथ पीक्यूसी (पैनल कंक्रीट) काम भी पूरा कर लिया गया है। मंदिरों का विस्थापन और बिजली पोल शिफ्टिंग का काम भी पूरा हो गया है। मुख्य सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद अब फिनिशिंग चल रही है।

कंठाल, सतीगेट, ढाबा रोड और रामघाट मार्ग से रात में भी हटेगा मलबा

चौड़ीकरण से प्रभावित शहर के सबसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र कंठाल से सतीगेट, ढाबा रोड और रामघाट मार्ग से अब रात के समय भी मलबा हटाया जाएगा। यहां नाली निर्माण का काम तेजी से करने के निर्देश कलेक्टर रौशनकुमार ङ्क्षसह ने दिए हैं। सिंह रविवार शाम निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के साथ मुआयना करने निकले थे।

टैटू आर्टिस्ट की संदिग्ध मौत: परिवार ने दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप

इंदौर ■ निसं

इंदौर के छोटी ग्वालटोली इलाके में रहने वाले एक टैटू आर्टिस्ट की शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार ने उसके दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि दोस्त इसे सड़क दुर्घटना बता रहे हैं। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम योगेश (34) पुत्र छोटू सिलावट है, जो टैटू आर्टिस्ट था। परिजनों ने बताया कि शनिवार शाम करीब 6 बजे योगेश के पास उसके दोस्त जीवन का फोन आया था। उसने योगेश को मिलने के लिए बुलाया और अपने साथ ले गया।दोस्त ने रात में दी घायल होने की सूचना-रात करीब 10 बजे जीवन, योगेश के घर पहुंचा और उसके छोटे भाई को सूचना दी कि योगेश घायल हो गया है। इसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और योगेश को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों का आरोप है कि योगेश के सिर, हाथ और पैरों पर चोट के निशान थे। दोस्तों ने बताया कि वह गाड़ी से गिर गया था, लेकिन परिवार का कहना है कि उसके साथ मारपीट की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ।

आईपीएल सट्टे में हारे साढ़े 4 लाख, खाया जहर, हुई मौत

इंदौर। आत्महत्या के एक सनसनीखेज मामले में आईपीएल सट्टे में लाखों रूपए गंवा देने के बाद युवक ने जहरीला पदार्थ खा जान दे दी। मामला सराफा थाना क्षेत्र का है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें युवक ने आईपीएल सट्टे में करीब साढ़े चार लाख रुपए हारने का जिक्र किया है। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम अमन मकवाना पिता दिलीप मकवाना उम्र छब्बीस साल निवासी नलिया बाखल है। उसने कल दोपहर उस वक्त जब घर में सिर्फ उसकी छोटी बहन ही थी जहरीला पदार्थ खा लिया जिसके बाद जब उसकी छोटी बहन ने उसकी तबीयत बिगड़ती देखी तो मामा को फोन किया और तुरंत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शेयर मार्केट और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर ठगे 17.84 लाख

इंदौर ■ निसं

साइबर ठगोंरों और साइबर ठगी के खिलाफ इन्दौर पुलिस द्वारा लगातार चलाएं जा रहे जागरूकता अभियान के बावजूद लोगों के लालच के कारण ये साइबर ठगोरे ठगी की वारदातों को अंजाम देने में कामयाब हो रहे हैं। ताजा मामला इन्दौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र का है जहा एक प्रॉपर्टी ब्रोकर के साथ शेयर मार्केट और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर 17.84 लाख रुपए की साइबर ठगी की वारदात को इन साइबर ठगोंरों ने अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, प्रॉपर्टी ब्रोकर नितेश दवे ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने फेसबुक पर शेयर मार्केट में निवेश से जुड़े विज्ञापन में कम समय में अच्छा रिटर्न देने का दावा किया गया था। इसके बाद उनकी बातचीत व्हाट्सएप पर एक महिला से हुई, जिसने अपना नाम आराध्या शर्मा बताया। उसने खुद को टएउ कंपनी से जुड़ा बताते हुए कहा कि कंपनी क्रिप्टोकरेंसी और वरऊळ में निवेश कराती है और निवेशकों को अच्छा मुनाफा मिलता है। इसके बाद आराध्या शर्मा ने नितेश को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा और वहां हरीनी पटेल नाम की महिला को सीनियर अधिकारी बताकर परिचय कराया। इसके बाद ऑनलाइन एक एग्रीमेंट साइन कराया गया, जिसमें बताया गया कि कंपनी द्वारा दिलाए गए मुनाफे का 15 प्रतिशत कमीशन देना होगा। नितेश ने अपनी शिकायत में बताया कि शुरूआत में 4 अप्रैल को उससे यूपीआई के माध्यम से 10 हजार रुपए निवेश कराए गए। कुछ समय बाद उन्हें करीब 13 हजार रुपए वापस मिले। इससे उनका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद सात दिन के निवेश प्लान का झांसा देकर आरोपियों ने अलग-अलग खातों में कई बार पैसे ट्रांसफर करवाए। एक बार में करीब 21 और दूसरी बार में 7 ट्रांजेक्शन कराए गए। इस तरह कुल 17 लाख 84 हजार रुपए विभिन्न बैंक खातों में जमा करवा लिए गए।

ऑनलाइन पेमेंट को लेकर सीएनजी पंप पर विवाद

बंदूक की बट से युवक पर हमला; केस दर्ज

इंदौर ■ निसं

भंवरकुआ में अवंतिका कंपनी के सीएनजी पंप पर ऑनलाइन पेमेंट नहीं होने के चलते कार सवार दो युवकों का स्टाफ से विवाद हो गया। इस दौरान मैनेजर ने मारपीट कर दी। वहीं, मौके पर मौजूद गार्ड ने बंदूक की बट से एक युवक के सिर पर हमला कर दिया। घायल युवक को उसका साथी निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। पुलिस ने बयान के आधार पर मैनेजर और सुरक्षा गार्ड को आरोपी बनाया है।भंवरकुआ पुलिस ने अनिमेष पुत्र अर्जुन राठौर, निवासी सी-द्वारकापुरी की शिकायत पर राजीव गांधी चौराहे स्थित अवंतिका पेट्रोल पंप के मैनेजर और गार्ड के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, अनिमेष अपने साथी भावेश कांटे के साथ कार में गैस भरवाने पंप पर पहुंचा था। गैस भराने के बाद ऑनलाइन पेमेंट नहीं होने के कारण उसकी पंप के मैनेजर से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर मैनेजर ने अपशब्द कहते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान वहां मौजूद गार्ड भी विवाद में शामिल हो गया। उसने अपनी बंदूक की बट से अनिमेष के सिर पर वार कर दिया। हमले में अनिमेष के सिर से खून निकलने लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ा।इसके बाद भावेश अपने साथी को अन्नपूर्णा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचा।

जमीन सौदे में करोड़ों की धोखाधड़ी मामले में रिसोर्ट कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

इंदौर ■ निसं

अपनी जमीन के साथ किसानों की जमीन का सौदा कर करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत के बाद कार्रवाई करते ग्रीन कॉटेज एंड रिसोर्ट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर सचिन शर्मा और उनकी पत्नी मिथिलेश के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी सचिन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। नंदलाल वाधवानी, राहुल गोयल, जयराम हबलानी और मुकेश हरियानी निवासी माणिकबाग रोड़ ने डीसीपी जोन 1 को अपनी शिकायत में बताया था कि उन्होंने अपनी कंपनी के माध्यम से वर्ष 2018 में 6.9 एकड़ भूमि का सौदा किया था। सचिन ने भूमि से जुड़े बी-1 और पी-2 दस्तावेज दिखाते हुए दावा किया था कि 4.74 एकड़ जमीन उसके स्वामित्व में है, जबकि शेष भूमि किसानों से खरीदकर सौंप दी जाएगी। शिकायत में कहा गया कि जमीन खरीद और हस्तांतरण के नाम पर सचिन ने करीब दो करोड़ रुपए ले लिए।

पार्किंग से टर्मिनल तक शेड ना होने से बारिश में भीगेंगे यात्री, धूप से भी परेशानी

इंदौर ■ निसं

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर यात्री सुविधा में एक बड़ी कमी सामने आई है। बारिश के दौरान एयरपोर्ट पर जाने वाले यात्री अगर पार्किंग में अपनी कार पार्क करते हैं तो उन्हें भीगते हुए टर्मिनल तक आना पड़ता हैं। इससे बचने के लिए यात्री पार्किंग से टर्मिनल तक जाने के लिए टैक्सी तक बुक कर रहे हैं। हाल ही में एक यात्री ने सोशल मीडिया पर यह शिकायत करते हुए पार्किंग से टर्मिनल तक यात्रियों के आने-जाने के लिए शेड बनाने की मांग की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यात्री तरुण सुराना ने एयरपोर्ट प्रबंधन को टैग करते हुए लिखा है कि कृपया कार पार्किंग से टर्मिनल तक फुटपाथ पर शेड बनाने के प्रोजेक्ट पर काम करें। बारिश के दौरान कार पार्किंग से टर्मिनल तक और वापस जाने में भीगने से बचने का कोई विकल्प नहीं है, जब तक कि आप छाता साथ न रखें, फिलहाल तो पार्किंग से टर्मिनल तक पहुंचने के लिए टैक्सी बुक करनी पड़ी। यात्री की ये शिकायत एयरपोर्ट पर यात्रियों को दी जाने वाली बुनियादी सुविधाओं की बड़ी कमी दशार्ती है, क्योंकि एयरपोर्ट पर आने वाला हर यात्री अपने साथ छाता नहीं रखता, अगर उसकी कार में छाता है भी और उसे फ्लाइट लेना है तो उसे छाता भी अपने साथ फ्लाइट में ले जाना पड़ेगा।

एयरपोर्ट का सरकारी जवाब, भविष्य की योजनाओं में विचार करेंगे

यात्रियों की इस शिकायत पर एयरपोर्ट प्रबंधन ने त्वरित समाधान के बजाए सरकारी सा जवाब दिया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने लिखा कि आपके महत्वपूर्ण सुझाव के लिए धन्यवाद। इंदौर एयरपोर्ट पर आपकी यात्रा के दौरान हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। आपकी प्रतिक्रिया को नोट कर लिया गया है ।

बारिश के साथ धूप में भी होती है परेशानी

यात्रियों का कहना है कि अगर पार्किंग से टर्मिनल के बीच फुटपाथ पर शेड लगाया जाता है तो इससे बारिश के साथ ही धूप से बचने में भी यात्रियों को काफी सुविधा होगी। अक्सर ऐसी ही परेशानी से बचने के लिए यात्री या उन्हें लेने या छोड? आने वाले परिजन टर्मिनल के सामने ही गाड़ी पार्क कर देते हैं, जिससे यहां जाम और अव्यवस्था की स्थिति भी बनती है।

छाता हो तब भी साथ ले जाने में परेशानी-यात्रियों का कहना है कि बारिश में सिर्फ पार्किंग से टर्मिनल तक आने के लिए अगर कार में छाता हो तब भी उसे लेकर जाना परेशानी भरा है, क्योंकि यात्रियों को आगे फ्लाइट में सवार होना होता है। ऐसे में गीला छाता वे अपने सामान में भी नहीं रख सकते हैं। कई छाते आगे से नुकीले होने के कारण फ्लाइट में ले जाने पर रोक तक दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

तमीम इकबाल बने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष बने हैं। तमीम को आम राय से बीसीबी अध्यक्ष चुना गया है। माना जा रहा है कि उनके आने से बीबीबी को एक नई दिशा मिलेगी। माना जा रहा है कि तमीन के आने से बांग्लादेश बोर्ड के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से संबंध बेहतर होंगे। बीसीबी प्रमुख बनने से पहले तमीम बोर्ड में एडहॉक समिति के प्रमुख के पद पर थे। बीसीबी के अधिकारी रबीद इमाम के अनुसार बीसीबी चुनावों के बाद आयोजित एक अहम बोर्ड बैठक में तमीम को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इमाम के अनुसार उन्होंने क्लब श्रेणी के मतदान में सबसे अधिक मत हासिल किये थे। नयेबोर्ड ने फहीम सिन्हा को उपाध्यक्ष बनाया है।

टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को पसंद करते हैं एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जेम्स एंडरसन का कहना है कि वह टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को ही अधिक पसंद करते है। वहीं द हंड्रेड लीग में उनकी कोई रुचि नहीं है। एंडरसन के अनुसार टेस्ट और काउंटी क्रिकेट खेलना ही अब उनका लक्ष्य है। एंडरसन के इस बयान से एक बार फिर द हंड्रेड प्रारुप पर सवाल उठे हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि पिछली बार उन्होंने इस लीग में खेला था तब उन्हें ये पसंद नहीं आयी थी। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सात सौ से ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। ऐसे में उनके बयान से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीसी) को निराशा जाना तय है क्योंकि ईसीसी पिछले कुछ समय से इस सबसे छोटे प्रारुप को लोकप्रिय बनाने में लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एंडरसन ने पिछले साल मैनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम की ओर से द हंड्रेड में तीन मुकाबले खेले थे।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत

अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिया। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये।

इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना : अनाहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करतीहैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार

केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुंबई ■ एजेंसी

बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रख गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरुरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग:भोपाल लेपर्ड्स ने रीवा जगुआर के जबड़े से छीनी जीत

204 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर भोपाल ने दर्ज की रोमांचक जीत

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 में रविवार की रात होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग साबित हुई। रीवा जगुआर और भोपाल लेपर्ड्स के बीच खेला गया 10वां मुकाबला रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंच गया। आखिरी ओवर तक चले इस कांटे के मुकाबले में भोपाल लेपर्ड्स ने 3 विकेट से जीत दर्ज कर अंक तालिका में अपनी धाक जमा दी है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रीवा जगुआर की ओर से अक्षत रघुवंशी ने टूर्नामेंट की अब तक की सबसे विध्वंसक पारी खेली। अक्षत ने 32 गेंदों में 85 रन जड़कर भोपाल के गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर दौड़ाया। उनकी पारी में 6 चौके व 9 गगनचुंबी छक्के शामिल थे, जो इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण रहे। उनके अलावा सागर सोलंकी ने 48 रनों का बेहतरीन योगदान दिया। हालांकि,

रीवा की पारी का अंत थोड़ा निराशाजनक रहा क्योंकि 153 रन पर 4 विकेट होने के बाद टीम अंतिम 27 गेंदों में केवल 50 रन ही जोड़ सकी। यही रनों का सूखा अंत में उनकी हार की बड़ी वजह बना। भोपाल की तरफ से हिमांशु शिंदे सबसे किफायती और सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में केवल 21 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर रीवा के स्कोर पर प्रभावी अंकुश लगाया। प्रियांशु शुक्ला व अजय मिश्रा को भी 2-2 सफलतां मिली।

204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पावरप्ले के 6 ओवरों में 73 रन कूटकर टीम ने इरादे साफ कर दिए थे।

व्यापार समाचार

बोइंग 737 मैक्स भी सेवा में वापस लाया गया

स्पाइसजेट बेड़े में जोड़ेगी तीन एयरबस ए320 विमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्पाइसजेट अपने बेड़े में तीन एयरबस ए320 विमान शामिल कर रही है और एक बोइंग 737 मैक्स को भी सेवा में वापस लाई है। इससे कंपनी की परिचालन क्षमता और नेटवर्क मजबूत होगा, जिससे बढ़ती यात्री मांग को पूरा किया जा सकेगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। भारतीय विमानन कंपनी स्पाइसजेट अपने बेड़े और परिचालन क्षमता को मजबूत कर रही है। कंपनी ने तीन एयरबस ए320 विमानों को शामिल करने के लिए एक समझौता किया है। ये विमान जल्द ही कंपनी के बेड़े का हिस्सा बनेंगे।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ये तीन एयरबस ए320 विमान जुलाई 2026 तक स्पाइसजेट के बेड़े में जुड़ जाएंगे। कंपनी ने इन विमानों के लिए एक पट्टा समझौता अंतिम रूप दिया है। इसके अलावा, स्पाइसजेट ने एक बोइंग 737 मैक्स विमान को सफलतापूर्वक सेवा में वापस लाया है। यह विमान पहले ही अपनी वाणिज्यिक उड़ानें शुरू कर चुका है। इस बढ़ी हुई क्षमता से व्यस्त यात्रा अवधि के दौरान एयरलाइन का नेटवर्क मजबूत होगा। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करेगा।

कंपनी के अनुसार, ये विमान बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने में मदद करेंगे। इनसे व्यस्त अवधि में नेटवर्क लचीलापन तेज होगा और परिचालन क्षमता मजबूत होगी।

विमानन क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होंगे नए विमान: स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने इस विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये विमान बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने में सहायक होंगे। इनसे परिचालन क्षमता मजबूत होगी और व्यस्त यात्रा अवधि में नेटवर्क लचीलापन बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी अपने बेड़े का विस्तार करने और परिचालन तैयारी में सुधार पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है।

एयरलाइन कपंनी ने भविष्य के लिए क्या तैयारी की है?: इससे पहले, अप्रैल 2026 में, दिल्ली हवाई अड्डे पर एक स्पाइसजेट बी737-700 विमान एक घटना में शामिल था। टैक्सी करते समय इसके दाहिने विंगलेट को क्षति पहुंची थी। एक अन्य एयरलाइन के विमान के बाएं क्षैतिज स्टेबलाइजर को भी नुकसान हुआ था। इस घटना के बाद विमान को दिल्ली में खड़ा कर दिया गया था। कंपनी अपनी वृद्धि योजनाओं के साथ आगे बढ़ रही है।

रील्स सिर्फ मनोरंजन नहीं, अब शॉपिंग का भी नया अड्डा: रिपोर्ट

81 फीसदी भारतीय रील्स से पाते हैं नए प्रोडक्ट्स की जानकारी

मुंबई ■ एजेंसी

भारत में शॉर्ट वीडियो कंटेंट, खासकर इंस्टाग्राम रील्स अब सिर्फ टाइमपास का जरिया नहीं रहा। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा और रिसर्च एजेंसी इप्सॉस की एक नई ज्वॉइंट स्टडी ने खुलासा किया है कि रील्स लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और शॉपिंग के तरीकों को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। यह बदलता ट्रेंड शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों के उपभोक्ताओं पर समान रूप से दिख रहा है। मेटा और इप्सॉस द्वारा देश के 23 शहरों और ग्रामीण इलाकों के 4,000 से अधिक लोगों पर किए गए इस अध्ययन के मुताबिक, रील्स अब सीधे तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं की जेब और ई-कॉमर्स को प्रभावित कर रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि 81 फीसदी लोग किसी भी नए प्रोडक्ट या ब्रांड की पहली जानकारी रील्स के जरिए ही हासिल करते हैं। इतना ही नहीं, 66 फीसदी लोग खरीदारी से पहले रील्स पर प्रोडक्ट का रिव्यू या कंटेंट चेक करते हैं, और चौंकाने वाली बात यह है कि 47 फीसदी लोग रील देखने के बाद ही उस सामान को खरीदने का अंतिम फैसला लेते हैं। यह डिजिटल क्रांति खासकर युवा पीढ़ी पर सबसे ज्यादा असर डाल रही है, जहां 89% जेन-जी यूजर्स हर दिन

रील्स देखते हैं और इनमें से 84 फीसदी रील्स के माध्यम से नए प्रोडक्ट्स की खोज करते हैं। ग्रामीण इलाकों में भी यह क्रेज बढ़ रहा है; जहां 94 फीसदी लोग रोजाना वीडियो देखते हैं और 73 फीसदी ग्रामीण यूजर्स ने रील्स के जरिए नए ब्रांड्स के बारे में जाना है। सिर्फ फैशन या ब्यूटी ही नहीं, ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी रील्स का प्रभाव है। 82 फीसदी लोग नई कारों और बाइक्स को खोजने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हैं, और रील्स का असर खरीदारी के अंतिम फैसले में 50 फीसदी तक देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक भारतीय यूजर्स इंस्टाग्राम रील्स पर ब्यूटी, मेकअप और फैशन से जुड़ा कंटेंट सबसे ज्यादा देखना पसंद करेंगे। क्रिएटर्स के लिए भी अच्छी खबर है, क्योंकि इंस्टाग्राम रील्स अन्य शॉर्ट वीडियो ऐप्स के मुकाबले 60 फीसदी ज्यादा एंगेजमेंट प्रदान करता है। मेटा इंडिया का कहना है कि अब ब्रांड्स के लिए कंटेंट और व्यापार को एक साथ जोड़कर चलना बेहद जरूरी हो गया है।

सरकार ने बैंकों से मांगा एटीएम नकदी संकट पर तत्काल जवाब

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग ने देशभर में एटीएम में नकदी की कमी की समस्या पर बैंकों से तत्काल विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभाग ने बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को भेजे ईमेल में नकदी भरने में आ रही दिक्कतों के कारणों और उन्हें दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने का निर्देश दिया। यह कदम अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम सेवाओं के बुरी तरह प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच उठाया गया है, जहां प्रत्यक्ष हस्तांतरणलाभार्थियों के लिए नकदी पर निर्भरता अधिक है। एटीएम उद्योग परिसंघ ने पिछले सप्ताह भारतीय बैंक संघ को आगाह किया था कि नकदी की उपलब्धता समस्या बनती जा रही है, जिससे देश भर में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को नकदी कमी होने पर तुरंत आपूर्ति का आश्वासन दिया था। हालांकि, बैंकरों के अनुसार, एटीएम में नकदी खत्म होने पर बैंकों को भी लागत वहन करनी पड़ती है।

पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता नया ई85 फ्यूल

नई दिल्ली। बढ़ती ईंधन कीमतों और कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में आधिकारिक तौर पर ई85 फ्यूल लॉन्च किया है, जो सामान्य पेट्रोल से लगभग 20 रूपए प्रति लीटर सस्ता है। दिल्ली में इसे मात्र 82.12 रुपए प्रति लीटर की किफायती कीमत पर पेश किया गया है, जबकि सामान्य पेट्रोल 100 रुपए के पार है। ई85 एक हाई इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल है, जिसमें 80-85 फीसदी एथेनॉल होता है। इसे गन्ने, मक्के और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है, जो इसे स्वदेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है।

वित्त वर्ष 27 में 7.7 से 6 फीसदी तक आ सकती है भारत की ग्रोथ रेट

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन आगामी वर्ष में इसकी विकास दर पर बाहरी चुनौतियों का साया मंडरा रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को प्रभावित कर सकती हैं। इससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा है। रिपोर्ट बताती है कि इन संभावित मुश्किलों को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया गया है।

मोटोरोला ने किया इडिज 70 प्रो प्लास लांच

2026 का सबसे स्टाइलिश फ्लैगशिप किलर स्मार्टफोन है

नई दिल्ली। मोबाइल टेक्नोलॉजी व इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख 9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज इडिज 70 प्रो प्लास लॉन्च किया, जो 2026 का सबसे स्टाइलिश ऑल-राउंडर फोन है। बिना किसी समझौते के फ्लैगशिप अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया यह स्मार्टफोन, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, प्रीमियम व विशिष्ट फिनिश, इमर्सिव एंटरटेनमेंट, नेक्स्ट-जेन moto ai अनुभवों और फ्लैगशिप-लेवल परफॉर्मेंस का एक शानदार संयोजन है।

इस डिवाइस में क्वाड 50MP प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसका नेतृत्व कम रोशनी में बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए motoAI से लैस एडवांस सोनी LYTIA 710 कैमरा करता है। इसके साथ ही इसमें 50× एआई सुपर जूम प्रो के साथ 50MP का 3.5× पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा, 50MP का अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो विज़न कैमरा और ऑटो फोकस के साथ 50MPका क्वाड पिक्सेल सेल्फी कैमरा शामिल है।

एडवांस ऑन-डिवाइस एआई क्षमताओं वाले मीडियाटेक डाइमेंशन 8500 एक्सट्रीम प्रोसेसर से पावर्ड, इडिज 70 प्रो प्लास में पैंटोनज्ञ द्वारा चुने गए रंगों में शानदार सैटिन-लक्स, स्कल्प्टेड वुड और ट्विल इंस्पायर्ड फिनिश के साथ 'कलेक्शंस बाय मोटोरोला' को पेश किया गया है। एक शानदार 144H5 1.5K ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड पैंटोनज्ञ वैलिडेटेड डिस्प्ले, 90ड्ड टर्बोपावरज्ञ चार्जिंग और 15W वायरलेस चार्जिंग के साथ आने वाली विशाल 6500mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, और IP68 + IP69 मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ मिलकर यह डिवाइस एक संपूर्ण फ्लैगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है।

अंदर से बाहर तक देखभाल: ओरल हेल्थ और त्वचा का गहरा संबंध

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सोनिया दत्ता द्वारा विशेष ओरल हेल्थ विश्लेषण के अनुसार आज के स्किनकेयर-केंद्रित दौर में उपभोक्ता साफ़ और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाने, अलग-अलग उत्पादों को आज़माने और अपने खान-पान पर अधिक ध्यान देने में पहले से कहीं अधिक समय और प्रयास लगा रहे हैं। फिर भी, कई लोगों के लिए मुंहासे, त्वचा बेजान दिखती है और मुंहासे, लालिमा या अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं बार-बार होती रहती हैं। उभरती समझ यह संकेत देती है कि इसका समाधान केवल त्वचा की सतह पर नहीं, बल्कि उससे कहीं गहराई में-खासतौर पर मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञ अब मौखिक स्वच्छता और समग्र स्वास्थ्य के बीच संबंध पर ज़ोर दे रहे हैं, जिसमें त्वचा पर इसके दिखने वाले

प्रभाव भी शामिल हैं। जब मौखिक देखभाल में थोड़ी भी अनियमितता आती है, तो मुंह में बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं, जिससे हल्के स्तर की सूजन उत्पन्न होती है। यह आंतरिक असंतुलन तुरंत स्पष्ट नहीं होता, लेकिन समय के साथ यह शरीर के अन्य हिस्सों में दिखाई देने लगता है, और त्वचा अक्सर इसका पहला संकेत देती है। आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित और इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा स्वीकृत डाबर रेड टूथपेस्ट जैसे उत्पाद व्यापक मौखिक देखभाल को बढ़ावा देने में सहायक माने जाते हैं।

'कई लोग केवल बाहरी (टॉपिकल) समाधान पर ध्यान देते हैं, बिना यह समझे कि अंदरूनी सूजन त्वचा के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है,' 'बार-बार होने वाली त्वचा संबंधी समस्याएं कभी-कभी मौखिक स्वास्थ्य से उत्पन्न असंतुलन का परिणाम हो सकती हैं।'

विशेषज्ञ मानते हैं कि पहले से जटिल हो चुकी स्किनकेयर दिनचर्या में और परतें जोड़ने के बजाय मूल कारणों पर ध्यान देना अधिक आवश्यक है। एक नियमित और प्रभावी मौखिक देखभाल दिनचर्या बैक्टीरिया के जमाव को कम करने और शरीर में संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इससे आपकी स्किनकेयर, खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली के लिए किए गए प्रयासों के बेहतर परिणाम दिखाई देने लगते हैं यह बढ़ती जागरूकता अब उपभोक्ताओं के रोज़मर्रा के उत्पादों, जैसे टूथपेस्ट, के चयन को भी प्रभावित कर रही है। डाबर रेड टूथपेस्ट, जो आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित है और इंडियन डेंटल एसोसिएशन की स्वीकृति मुहर से प्रमाणित है, ऐसे उत्पादों में शामिल है जो व्यापक मौखिक देखभाल को बढ़ावा देने में सहायक माने जा रहे हैं। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि मौखिक स्वास्थ्य केवल दांतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर के संतुलन से जुड़ा हुआ है।

समय के साथ, मजबूत मौखिक स्वास्थ्य केवल दांतों की देखभाल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह शरीर के आंतरिक संतुलन को बेहतर बनाने में भी मदद करता है, जिससे त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए बार-बार प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता कम हो जाती है।

इंडी गठबंधन की बैठक से पहले दिल्ली में लगे राहुल गांधी विरोधी पोस्टर, विपक्षी एकता पर उठे सवाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडी' की महत्वपूर्ण बैठक से ठीक पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सोमवार को प्रस्तावित बैठक से पहले शहर के कई प्रमुख इलाकों में कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं के पुराने बयानों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है, जिनके माध्यम से कांग्रेस की विश्वसनीयता और गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े किए गए हैं।

राजधानी दिल्ली के अशोका रोड, रेल भवन, ली मेरिडियन गोलचक्कर समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे पोस्टरों ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना दिया। पोस्टरों में कांग्रेस पर अपने सहयोगी दलों के साथ विश्वासघात करने और गठबंधन की राजनीति को कमजोर करने के आरोप लगाए गए हैं।

इन पोस्टरों का उद्देश्य यह संदेश देना प्रतीत होता है कि इंडी गठबंधन के भीतर शामिल दलों के बीच वैचारिक और राजनीतिक मतभेद अब भी मौजूद हैं और कांग्रेस को लेकर सहयोगी दलों में पूरी सहमति नहीं है।पोस्टरों में विभिन्न विपक्षी नेताओं के पुराने कथनों को उद्धृत (कोट) करते हुए कांग्रेस और उसके नेतृत्व को घेरने का प्रयास किया गया है।एक पोस्टर में एससीपी के प्रमुख शरद पवार का पुराना बयान प्रकाशित किया गया है, जिसमें कहा गया था कि 'राहुल गांधी में निरंतरता की कमी है।' दूसरे पोस्टर में पिनराई विजयन का बयान छापा गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'राहुल गांधी राष्ट्रीय नेता हैं, लेकिन उनमें उतनी समझ भी नहीं जितनी कांग्रेस के एक स्थानीय कार्यकर्ता में होती है। 'इसी प्रकार द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन का बयान भी पोस्टरों में शामिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि 'कांग्रेस हमारी पीठ पर बैठकर आगे बढ़ती रही और अब उसी पीठ में छुरा घोंप दिया।' पोस्टरों में तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के पुराने बयानों का भी उल्लेख किया गया है। इनमें 'कांग्रेस अपनी विश्वसनीयता खो रही है, हम उस पर निर्भर नहीं रह सकते' तथा 'अगर कांग्रेस गठबंधन नहीं चला सकती तो मैं इसे चला सकती हूं' जैसे कथन शामिल हैं।

कुछ पोस्टरों में आप नेता अरविंद केजरीवाल के पुराने बयानों का भी संदर्भ दिया गया है, जिनके माध्यम से कांग्रेस और उसके नेतृत्व की आलोचना की गई है।सभी पोस्टरों के नीचे एक समान नारा लिखा गया है 'इंडी अलायन्स वाले जो आपस में लड़ रहे हैं, वो साथ क्या लड़ेंगे! 'इस नारे के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि विपक्षी गठबंधन के भीतर आपसी मतभेद इतने गहरे हैं कि वह एकजुट होकर राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ सकता। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन पोस्टरों को किस संगठन, राजनीतिक दल या व्यक्ति ने लगवाया है। पोस्टरों पर किसी संस्था या समूह का नाम भी नहीं दिया गया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने ये पोस्टर नहीं देखे हैं, इसलिए वे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे।इंडी गठबंधन की बैठक से पहले वामपंथी दलों की ओर से भी कांग्रेस के प्रति असंतोष के संकेत मिले हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने कहा कि बैठक में शामिल होने वाले दलों की संख्या और एजेंडा अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि वाम दलों के अपने राजनीतिक मुद्दे हैं, जिन्हें वे बैठक में मजबूती से उठाएंगे। डी. राजा ने यह भी आरोप लगाया कि केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं ने वाम दलों की ईमानदारी और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे, जिससे दोनों पक्षों के रिश्तों में तनाव पैदा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बिहार कैबिनेट ने ज़मीन मापी शुल्क में बढ़ोतरी समेत कुल 25 प्रस्तावों को दी मंज़ूरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार शाम हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 25 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में जमीन मापी शुल्क बढ़ाने से लेकर बाढ़ प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और कई विकास परियोजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने रैयती जमीन की मापी के शुल्क में वृद्धि को स्वीकृति दी है। शहरी निकाय क्षेत्रों (नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत) में प्रति खेसरा 2000 रुपये तथा अधिकतम 8000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह शुल्क प्रति खेसरा 1000 रुपये और अधिकतम 4000 रुपये तय किया गया है। इसके अलावा तत्काल मापी के लिए शहरी क्षेत्रों में प्रति खेसरा 4000 रुपये और अधिकतम 16000 रुपये तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति खेसरा 2000 रुपये और अधिकतम 8000 रुपये शुल्क निर्धारित करने की भी स्वीकृति दी गई। बैठक में 'विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन' (जी-रामजी योजना) को भी मंजूरी दी गई, जो 1 जुलाई से लागू होगी। इसके साथ ही गोपालगंज के सासामुसा चीनी मिल के पुन: संचालन और गन्ना किसानों के बकाया भुगतान के लिए 42 करोड़ 99 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

तिरुप्परंकुंद्रम विवाद : भाजपा अध्यक्ष ने टीवीके और सीएम विजय पर लगाए गंभीर आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुप्परंकुंद्रम विवाद को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) पर हमला बोला है। उन्होंने टीवीके पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की 'निम्नस्तरीय राजनीति' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है। नैनार नागेंद्रन ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद तिरुप्परंकुंद्रम स्थित दीप स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति नहीं देने संबंधी बयान टीवीके विधायक और मंत्री निर्मल कुमार द्वारा दिए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टीवीके मंत्री आदव अर्जुना भी इस रुख का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री विजय से सवाल करते हुए कहा कि जब उनकी पार्टी के विधायक और मंत्री भगवान मुरुगन के भक्तों के धार्मिक अधिकारों के खिलाफ बयान दे रहे हैं, तब मुख्यमंत्री अब तक मौन क्यों हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि आखिर राज्य का वास्तविक नेतृत्व कौन कर रहा है।

टीएमसी में संकट गहराया, काकोली सहित 20 सांसदों का राजग को समर्थन देने का फैसला

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करने का फैसला किया है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है। घोष ने कहा कि वे लोकसभा में टीएमसी की मुख्य सचेतक हैं और यह निर्णय अन्य सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री के साथ की चर्चा

पश्चिम बंगाल में उद्योग, रोजगार और उद्यमिता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की विकास यात्रा में पश्चिम बंगाल के योगदान को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास, उद्यमिता के विस्तार और रोजगार सृजन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में राउंडटेबल बैठकों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन बैठकों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, प्रमुख उद्योग संगठन और एमएसएमई एसोसिएशन शामिल होंगे, ताकि क्रेडिट की उपलब्धता को बढ़ाया जा सके।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान राज्य के विकास, योजनाओं के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को तेज करने पर चर्चा हुई। मंत्रालय के बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत हर पात्र लाभार्थी तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक नया च्सैचुरेशन ड्राइवज् चलाया जाएगा।

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि पश्चिम बंगाल के विकास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप आगे बढ़ाया जाए। राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में क्रेडिट उपलब्धता और केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श किया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूत किया जा सके और औपचारिक ऋण की पहुंच बढ़ाई जा सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पश्चिम बंगाल से जुड़े उन सभी प्रस्तावों को विशेष सहायता योजना के तहत आगे बढ़ाया जाएगा, जो राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेंगे। साथ ही, वित्त मंत्री ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि विशेष सहायता योजना के सुधार आधारित हिस्से के तहत चिन्हित सुधारों को तेजी से लागू किया जाए।

इस बीच, पश्चिम बंगाल को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ दिया गया है। इसके लिए राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ओमान तट के पास जहाज में धमाका, सभी 24 भारतीय सुरक्षित

मस्कट/इस्तांबुल ■ एजेंसी

ओमान तट एवं रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक वाणिज्यिक तेल टैंकर में हुए धमाके के बाद उस पर सवार सभी 24 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जो सभी भारतीय हैं। शुरुआती रिपोर्टों में धमाके के पीछे संदिग्ध ड्रोन या मिसाइल हमले की आशंका जताई गई है।

ओमान की न्यूज एजेंसी अरब टाइम्स कुवैत और तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी के अनुसार पलाऊ के झंडे के तहत संचालित ऑयल एवं केमिकल टैंकर एमटी मैरिवेक्सओमान के तट से लगभग 15 नॉटिकल मील दूर समुद्र में यात्रा कर रहा था, तभी जहाज़ में जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट से इंजन रूम को गंभीर क्षति पहुंची और जहाज़ में आग लग गई।

धमाके के कारण इंजन कंपार्टमेंट में बड़ा छेद हो गया, जिससे जहाज़ में तेजी से पानी भरने लगा और उसका संतुलन बिगड़ गया। आग फैलने और पानी भरने की वजह से कुछ नाविकों के जहाज़ पर फंस जाने की आशंका भी जताई गई थी। जहाज की लाइफबोट्स को नुकसान पहुंचने से स्थिति और मुश्किल हो गई, जिससे लोगों को बाहर निकालने की कोशिशों में बाधा आई।

वहीं, अनाडोलू एजेंसी ने भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा के हवाले से बताया कि यह घटना भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 1:30 बजे एमटी मैरिवेक्स जहाज़ पर हुई। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि मौजूदा जानकारी के मुताबिक चालक दल के सभी लोग सुरक्षित हैं। इससे पहले फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडियाने भी पुष्टि की थी कि जहाज़ पर भारतीय नागरिक मौजूद हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास का समुद्री क्षेत्र सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल और व्यापारिक शिपिंग रूट्स में से एक माना जाता है, जहां हाल के महीनों में क्षेत्रीय तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

देश छोड़ने की फिराक में था तृणमूल नेता जहांगीर, एसटीएफ ने बॉर्डर पर दबोचा

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान को राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उन्हें गिरफ्तार कर कोलकाता लाया जा रहा है।

सूत्रों का दावा है कि जहांगीर खान नेपाल सीमा के रास्ते देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी गुप्त सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल की टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि उन्हें पहले से फरार घोषित माना जा रहा था।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 में जहांगीर खान के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। उस मामले में उन्हें पहले अदालत से अंतरिम सुरक्षा मिली थी। इसके अलावा, फलता विधानसभा क्षेत्र में पुनर्निर्वाचन से पहले भी उन्हें उच्च न्यायालय से सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ था। हालांकि, 26 मई को उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ जारी सभी सुरक्षा आदेश वापस ले लिए, जिसके बाद पुलिस के लिए गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया।

विधानसभा चुनाव के दौरान 29 अप्रैल को अंतिम चरण के मतदान में फलता विधानसभा क्षेत्र के कुछ बूथों पर अनियमितताओं के आरोप लगे थे। इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों में छेड़छाड़ और अन्य गड़बड़ियों के आरोप भी लगाए गए थे। इसके बाद पुनर्निर्वाचन की मांग उठी और चुनाव आयोग ने पुनर्मतदान का निर्णय लिया था। 4 मई को बाकी सीटों के परिणाम घोषित किए गए थे। जहांगीर खान पहले भी राजनीतिक बयानबाज़ी को लेकर चर्चा में रहे हैं। मतदान से पहले उनके आवास पर सुरक्षा बलों और पुलिस ने छापेमारी की थी। उस दौरान उनके बयानों और चुनावी माहौल को लेकर राज्य की राजनीति में काफी विवाद हुआ था। उन्होंने खुद को राजनीतिक दबाव के सामने न झुकने वाला बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी थी, जिसके बाद मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया था।

'आप' इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है : संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आप अब इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। आज होने वाली बैठक में आप शामिल नहीं होगी। संजय सिंह सोमवार को एक बयान में इंडी ब्लॉक की बैठक पर कहा कि जहां तक पार्टी का सवाल है, पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि आआपा इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। इसलिए बैठक में उसके शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। इस दौरान संजय सिंह ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि तमिलनाडु में बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच कांग्रेस द्वारा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को विश्वास में लिए बिना अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) को समर्थन देने के कारण दोनों दलों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं।

असम मंत्रिमंडल के विभागों का हुआ आवंटन, मुख्यमंत्री के पास गृह, लोक निर्माण, ऊर्जा

गुवाहाटी ■ एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विभागों का आवंटन कर दिया। हाल में हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सभी कैबिनेट मंत्रियों को उनके-उनके विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा अपने पास गृह एवं राजनीतिक, लोक निर्माण (भवन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क), ऊर्जा तथा जनसंपर्क विभाग रखेंगे। जयंत मल्लबरुवा को वित्त, पर्यावरण एवं वन तथा खान एवं खनिज विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, केशव महंत को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन तथा सामान्य प्रशासन विभाग सौंपे गए हैं। अशोक सिंघल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग का दायित्व दिया गया है। पीयूष हजारिका कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य विभाग संभालेंगे, जबकि डॉ. रणोज पेगु विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य (मैदानी क्षेत्र) तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का नेतृत्व करेंगे। अश्विनी राय सरकार को सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण, भूमि संरक्षण तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग दिए गए हैं। बिमल बोरा को सांस्कृतिक कार्य, उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उपक्रम तथा एक्ट ईस्ट नीति विभाग सौंपा गया है। विश्वजीत दैमारी को हथकरघा, वस्त्र एवं रेशम उद्योग, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता, स्वदेशी एवं जनजातीय आस्था एवं संस्कृति तथा खेल विभागों की जिम्मेदारी मिली है। कौशिक राय खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले तथा आवास एवं शहरी कार्य विभाग संभालेंगे। कृष्णेंदु पाल को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, पर्वतीय क्षेत्र एवं बराक घाटी विकास विभाग दिया गया है। नीलिमा देवी पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विभाग की जिम्मेदारी निभाएंगी, जबकि सुशांत बरगोहाई को जल संसाधन एवं न्यायिक विभाग सौंपे गए हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के इस आवंटन के साथ राज्य सरकार ने प्रशासनिक कार्यों को गति देने और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने सभी नवदायित्व प्राप्त कैबिनेट मंत्रियों को शुभकामनाएं और बधाई दी है।

भारत के पास परमाणु बम 180 से बढ़कर 190 हुए, पाकिस्तान 170 वॉरहेड्स पर ही टिका

भारत ने एक साल के भीतर बढ़ाया परमाणु हथियारों का जखीरा, पाक को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने पिछले साल के मुकाबले अपना परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा लिया है। भारत के पास परमाणु बम 180 से बढ़कर इस साल 190 हो गए हैं, जबकि पड़ोसी पाकिस्तान की परमाणु क्षमता बिना किसी बदलाव के 170 वॉरहेड्स पर ही रुकी हुई है। यानी भारत रणनीतिक रूप से परमाणु हथियारों के मामले में पाकिस्तान से आगे हो गया है। इस समय दुनिया के नौ देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से लगभग 9,745 वॉरहेड्स को सैन्य भंडारों में संभावित उपयोग के लिए पूरी तरह तैयार रखा गया है। इनमें से लगभग 4,012 वॉरहेड्स मिसाइलों और लड़ाकू विमानों पर सक्रिय रूप से तैनात किये जा चुके हैं।

रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) ने अपनी वार्षिक ईयर बुक जारी कर दी है। दुनिया में बदलते युद्ध के तरीकों और सेनाओं के आधुनिकीकरण का ही नतीजा है कि वैश्विक स्तर पर हथियारों को जमा करने की होड़ मची है। सोमवार को प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय हथियार हस्तांतरण पर रिपोर्ट में बताया गया है कि परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास अब पूरी तरह से उल्टे होते दिख रहे हैं। परमाणु हथियारों की होड़ में रूस और अमेरिका आज भी सबसे आगे हैं।

रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि परमाणु हथियार संपन्न दुनिया भर के नौ देशों के पास इस साल जनवरी तक कुल 12187 परमाणु बम हैं, जबकि 2025 में यह संख्या 12241 थी। कहने को कहा जा सकता है कि परमाणु बमों की कुल संख्या में मामूली गिरावट आई है, लेकिन विशेषज्ञ इसे भ्रामक मानते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनियाभर में करीब 2,100 से 2,200 परमाणु वॉरहेड्स को 'हाई ऑपरेशनल अलर्ट' पर रखा गया है, यानी इन्हें महज कुछ ही मिनटों के आदेश पर दागा जा सकता है। इस श्रेणी में सबसे ज्यादा हथियार रूस और अमेरिका के पास हैं।

परमाणु हथियारों के मामले में इस समय रूस दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति संपन्न देश बना हुआ है, जिसके पास कुल 5420 वॉरहेड्स हैं। इस सूची में अमेरिका 5,042 वारहेड्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत का पड़ोसी देश चीन भी अपने परमाणु हथियार तेजी से बढ़ा रहा है, क्योंकि उसके पास 600 से बढ़कर 620 परमाणु बम हो गए हैं। सीपरी की इस वार्षिक रिपोर्ट में सबसे ज्यादा फ्रांस ने चौंकाया है, क्योंकि एक साल के भीतर उसके पास परमाणु बमों की संख्या 80 बढ़ गई है। फ्रांस ने पिछले साल के मुकाबले अपने परमाणु भंडार में इसे 290 से सीधे 370 वॉरहेड्स तक पहुंचा दिया है। इसके विपरीत यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने अपनी रणनीतिक क्षमता को स्थिर रखा है, क्योंकि उसके पास मौजूदा समय में 225 वॉरहेड्स हैं। पश्चिमी एशिया में ईरान के साथ युद्ध के बावजूद इजराइल ने अपना परमाणु भंडार नहीं बढ़ाया है और उसके पास पिछले साल की तरह अभी भी 90 वॉरहेड्स हैं। उत्तर कोरिया भी लगातार घातक हथियार बना रहा है, जिससे उसका परमाणु भंडार 50 से बढ़कर 60 वॉरहेड्स हो गया है।

कांगो से युगांडा पहुंचा इबोला, डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

नई दिल्ली। ■ एजेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसका दायरा नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है और अब यह पड़ोसी देश युगांडा तक भी फैल चुका है।

डब्ल्यूएचओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में डीआरसी के लिए इबोला का जोखिम स्तर च्बहुत अधिकज् है, जबकि युगांडा और प्रभावित क्षेत्रों से लगती सीमाओं वाले पड़ोसी देशों के लिए जोखिम च्उच्चज् माना गया है। अफ्रीका के बाकी हिस्सों और वैश्विक स्तर पर जोखिम फिलहाल च्निम्नज् श्रेणी में रखा गया है।

रविवार तक डीआरसी में इबोला के 515 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें 91 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, युगांडा में 19 पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो मौतें और एक संभावित मृत्यु शामिल है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, युगांडा में सामने आए सभी मामले डीआरसी में फैले प्रकोप से जुड़े हुए हैं। इनमें संक्रमित व्यक्तियों के सीमा पार आने के साथ-साथ उनके संपर्क में आए लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच भी संक्रमण फैलने के प्रमाण मिले हैं।

देश की जरूरत के हिसाब से फिल्में बन रही हैं - राजीव वर्मा, फिल्म अभिनेता, रंगकर्मी

भोपाल ■ जगत शर्मा

मैंने प्यार किया,हम साथ साथ हैं,परदेशी बाबू,हम दिल दे चुके सनम, वीर-जारा, कोई मिल गया जैसी सफलतम फिल्मों के साथ साथ मुजरिम हाजिर है, चुनौती समेत दर्जनों लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने विशिष्ट अभिनय से अपनी विशेष पहचान बनाने वाले देश के जाने-माने फिल्म अभिनेता, रंगकर्मी और संस्कार भारती मध्य प्रदेश के अध्यक्ष राजीव वर्मा जी से अमृत दर्शन के कार्यकारी संपादक जगत शर्मा ने फिल्म, रंगकर्म , नाट्यविधा और सामाजिक मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। जिसके महत्वपूर्ण अंश प्रस्तुत है-

सवाल - मैंने प्यार किया फिल्म मेरी किशोर अवस्था की अत्यंत मधुर स्मृतियों में विशेष स्थान रखती है। मैंने उसमें आपके अभिनय को देखकर यह महसूस किया था कि बाबूजी ऐसे होने चाहिए जो बच्चों की तमाम ख्वाहिश पूरी करें। पहले फिल्म से लोग खुद को जोड़ लेते थे। अब फिल्में बदल गई है। क्या अंतर देखते हैं आप पहले और आज की फिल्मों में।

जवाब - आपने बहुत अच्छा सवाल किया है आज से 40 साल पहले का दौर अलग था आपकी किशोरावस्था की स्मृतियों में मैंने प्यार किया आज भी है, तो यह कमाल उस दौर की फिल्मों का था । मैंने अपना फ़िल्मी कैरियर आकाशवाणी के माध्यम से शुरू किया था, वैसे मैं एक आर्किटेक्ट हूं । मैंने 23 साल सर्विस की है ,तो आकाशवाणी के माध्यम से ही एक सीरियल करने को मिला दूरदर्शन पर(पहले दूरदर्शन ही सीरियल बनाता था) । सीरियल का नाम चुनौती था,जिसमें पहले शशि कपूर जी को लिया जा रहा था ,लेकिन मेरा चेहरा मोहरा उस स्क्रिप्ट के हिसाब से बिल्कुल फिट था ,इसलिए मेरे को लिया गया। उसके बाद फिर मैंने 'मुजरिम हाजिर है ' जैसे सीरियल में

काम किया और वहीं से फिर मैंने प्यार किया का हिस्सा बना ।राजश्री प्रोडक्शन हमेशा कुछ ना कुछ नया प्रयोग करता है । निर्देशक सूरज बड़जात्या को फिल्म में नए कलाकार चाहिए इसलिए इसमें सभी लगभग नए थे ।तो यहां से फिर फिल्मी सफर शुरू हुआ जिसके बाद बहुत सारी फिल्में की।

आपका जो मूल प्रश्न है कि पहले की और आजकी फिल्मों में क्या अंतर है ,तो सबसे बड़ा अंतर जो मैं देख पा रहा हूं अब क्वालिटी टेक्निक और काम के प्रति समर्पण पहले से ज्यादा है पहले लोग एक साथ कई फिल्मों में काम करते थे और एक फिल्म बनने में दो-तीन वर्ष लगते थे लेकिन अब कलाकार दो-तीन महीने में एक ही फिल्म करते हैं जिस तरह से विदेश में होता है और पूरे समर्पण के साथ उसका प्रमोशन करते हैं जब एक फिल्म खत्म हो जाती है तब दूसरी फिल्म शुरू होती है इस तरह से अगर देखा जाए तो अब फिल्मों में बहुत ज्यादा परिवर्तन हो गया है।

सवाल - आपका स्ट्रगल टाइम कैसा रहा।

जवाब - आपने बड़ा मजेदार सवाल किया है ।मेरा स्ट्रगल टाइम जो था,वह एक अलग तरह का समय था। मैं नौकरी भी करता था और फिल्मों में काम भी करता था। जैसा मैंने कहा कि पहले दो-तीन साल तक एक फिल्म की शूटिंग होती थी,तो मैं छुट्टी लेकर शूटिंग करने जाता था ।बाद में मैंने मुंबई में ही एक रूम ले लिया था ,जहां जाकर मैं रहता था। मैंने 23 साल नौकरी की है ,इस वजह से कि मेरी पेंशन हो जाए उसके बाद फिर मैंने वीआरएस ले लिया और पूरी तरह से फिल्मों में सक्रिय हो गया। तो आप कह सकते हैं कि यह स्ट्रगल थोड़ा अलग तरह का था

सवाल - कंटेंट के लिहाज से कैसे देखते हैं इस परिवर्तन को।

जवाब - देखिए अपने-अपने दौर की अपनी अपनी कहानी होती है। पहले जब हम आजाद हुए थे ,तो चारों तरफ खुशियां थी, इसलिए उसी तरह की फिल्में बनती थी। जिसमें एक प्रेम कहानी होती थी, हीरो हीरोइन के साथ एक कॉमेडियन और एक कोई विलन जो कि एक कंपलीट इंटरटेनमेंट पैकेज था । उसी तरह की कहानी लंबे समय तक बनी । उस दौर का गीत संगीत बहुत प्रभावशाली था। आज भी हम वह संगीत सुनते हैं। उसके बाद फिर अलग दौर आया और यह दौर अलग है। फिल्में देश की जरूरत के हिसाब से बनती हैं। आपको याद होगा उपकार फिल्म एक संदेश देने के लिए बनी थी। दो आंखें बारह हाथ बनने के बाद देश के जेल मैन्युअल में परिवर्तन हुआ था। हां यह बात भी सही है कि बहुत सारी प्रोपेगेंडा फिल्में भी बनती है, और बन रही हैं। लेकिन इन सबके बीच में बहुत सारा अच्छा काम भी हो रहा है।

सवाल - आज के दौर की फिल्मों में क्या कमी देखते हैं आप।

जवाब - अब फिल्मों में साहित्य दिखाई नहीं देता है ।एक दौर था, जब साहित्यिक फिल्में बनती थी। शरदचंद्र हो या बंकिम चंद्र हो ,रविंद्र नाथ टैगोर हो मुंशी प्रेमचंद हो ,उनके साहित्य पर भी बहुत सारी फिल्में बनी है। लेकिन अब उस तरह का कंटेंट फिल्मों में नहीं दिखाई देता है । इसके साथ आप देखिए कि उस दौर में गुलशन नंदा के उपन्यासों पर भी बहुत क्लासिकल फिल्में बनी है। लेकिन अब यह एक कमी हम जरूर देखते हैं। साहित्य समाज का दर्पण होता है। अभी केरल स्टोरी जैसी फिल्म आई या फिर धुरंधर है यह एक दौर की फिल्में हैं , क्लासिक नहीं है। यह प्रासंगिक नहीं रहेंगी आगे चलकर। जैसे द केरल स्टोरी में एक समस्या बताई है । आगाह किया गया है ठीक है वह समस्या 15-20 साल तक चलेगी ,उसके बाद वह खत्म हो जाएगी ,इसी तरह की धुरंधर है। हम समाज को संवेदनशील कैसे बनाएं हम समाज को सकारात्मक कैसे बनाएं इसके लिए तो आपको साहित्यिक फिल्में ही बनाने की आवश्यकता है। हां यह काम आज थिएटर कर रहा है, ताकि एक पॉजिटिव वेब जो है वह समाज में आए और कुछ सीखने को मिले। थियेटर को आप केवल मनोरंजन के तौर पर न लें यह संदेश देने का काम भी कर रहे हैं।

सवाल - क्या अब लोग थियेटर की तरफ लौट रहे हैं।

जवाब - बिल्कुल सही कहा आपने अब लोग थिएटर की तरफ लौट रहे हैं। मेरे एक नाटक का मंचन रविंद्र भवन में हुआ था ,जो पूरी तरह से सफल रहा। इतने लोग वहां पर देखने आए की जगह कम पड़ गई,उन्हें बिठाने के लिए। इसी तरह से पिछले दिनों मैं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में गया। वहां मैंने देखा की नाटक को पसंद करने वाले 90% से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं यानी की नई पीढ़ी भी अब थिएटर की तरफ लौट रही है। निश्चित तौर से थिएटर अब जागृत होंगे और इनके माध्यम से ही कल साहित्य और संस्कृति जीवित रहेंगे।

मध्य प्रदेश में 16 जून से खुलेंगे सभी सरकारी स्कूल

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूल 16 जून से नए शैक्षणिक सत्र के लिए खुलने जा रहे हैं। सोमवार से शिक्षक स्कूल पहुंचने लगे हैं, ताकि विद्यार्थियों के स्वागत के साथ-साथ शिक्षण व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके। स्कूलों में साफ-सफाई, पाठ्य सामग्री की तैयारी और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उधर, प्रदेश सरकार द्वारा आधुनिक शिक्षा और बेहतर संसाधनों से युक्त सांदीपनि विद्यालयों में अलग ही चुनौती सामने आ रही है। दरअसल, इन स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए निश्शुल्क परिवहन सुविधा शुरू की गई है, लेकिन स्कूल बसों की कमी या उनके संचालन की समस्या खड़ी हो गई है। इसका सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों पर पड़ रहा है, जिन्हें विद्यालय पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि प्रदेश में 275 सांदीपनि विद्यालय हैं। इसमें से 150 में बस सेवा है, जबकि 125 स्कूल सुविधाविहीन हैं। वहीं कई स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में बसें उपलब्ध नहीं हैं, जबकि कुछ में भुगतान और संचालन संबंधी विवादों के कारण बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। परिणामस्वरूप बच्चों को निजी वाहनों, आटो या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। उधर, विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्कूलों की दूरी कम होने से बच्चे आसानी से साइकिल से सफर कर सकते हैं। सांदीपनि विद्यालयों में बस संचालन के लिए विभाग ने संभाग स्तर पर टेंडर जारी किए थे, जिन्हें समाया ट्रांसपोर्टेशन प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। कंपनी को प्रति विद्यार्थी 2100 रुपये परिवहन शुल्क भी दिया जा रहा था। हालांकि, कंपनी के खिलाफ लगातार शिकायतें मिलने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विभाग के अनुसार कंपनी पर अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन, आवश्यकता के अनुरूप बसें उपलब्ध नहीं कराने और बस आपरेटरों को समय पर भुगतान नहीं करने के आरोप लगे हैं।

शाला पूर्व शिक्षा को बेहतर बनाने के प्रयोगों और अनुभवों पर हुआ मंथन

175 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने साझा किए नवाचार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में शाला पूर्व शिक्षा (ईसीई) को बच्चों के लिए अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी सभागार में ईसीई सेमिनार आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की फंदा परियोजना और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों की पढ़ाई और सीखने को बेहतर बनाने के लिए किए गए अपने नवाचारों और अनुभवों को साझा किया।

सेमिनार में फंदा परियोजना के सात सेक्टरों से 175 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में 14 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने केंद्रों पर किए गए कार्यों की प्रस्तुति दी।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने खेल-खेल में पढ़ाई, गतिविधियों और स्थानीय संसाधनों से तैयार शिक्षण सामग्री (टीएलएम) का उपयोग कर बच्चों में भाषा, गणित, सामाजिक व्यवहार और समझ विकसित करने का प्रयास किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बच्चों की रुचि को समझकर और नियमित रूप से उनका अवलोकन करके सीखने का माहौल बेहतर बनाया जा सकता है।

स्थानीय संसाधनों से तैयार की शिक्षण सामग्री: सेमिनार के दौरान टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से तैयार किए गए शिक्षण साधन प्रदर्शित किए। प्रतिभागियों ने इन सामग्रियों को देखा और उनके उपयोग पर चर्चा की। प्रदर्शनी में यह दिखाया गया कि कम खर्च में भी बच्चों के लिए उपयोगी और आकर्षक शिक्षण सामग्री तैयार की जा सकती है।

बच्चों की सीख में दिखे सकारात्मक परिणाम: प्रस्तुतियों में बताया गया कि समुदाय की भागीदारी बढ़ाने, बच्चों की जरूरतों को समझने और गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाने से आंगनवाड़ी केंद्रों का वातावरण अधिक सीख-केंद्रित बना है। इससे बच्चों की भाषा, गणित और सामाजिक कौशल में सकारात्मक सुधार देखने को मिला है।

भोपाल। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की तीसरी सीट को भाजपा द्वारा कांग्रेसी विधायकों को हॉर्स ट्रेडिंग ना कर पाए। इस हेतु हेतु नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में कांग्रेसी विधायक कर्नाटक रवाना हुए।

भोपाल। आज बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार सहित अनेक कांग्रेसी विधायकों ने बिरसा मुंडा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विनोद भाई सहित अनेक आदिवासी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश में एक ही चेहरे पर सिम निकालने के सबसे ज्यादा मामले विंध्य क्षेत्र में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

साइबर ठगों के लिए मध्य प्रदेश का विंध्य इलाका (रीवा, सतना और सीधी जिला) आसान लक्ष्य बन गया है। ठग क्षेत्र के मजदूरों और कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बना रहे हैं। सर्वाधिक म्यूल खाते मिलने के बाद अब एक ही फोटो-आइडी से सर्वाधिक 2,279 सिम कार्ड रीवा-सतना में जारी होने का पर्दाफाश हुआ है।

मामले में अभी तक 19 जिलों में 32 एफआईआर दर्ज कर 42 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। एक चेहरे पर सर्वाधिक सिम निकालने का दूसरा बड़ा मामला मुरैना और दतिया जिलों का हैं, यहां 1376 सिम निकाली गई हैं। राज्य साइबर मुख्यालय ने 'ऑपरेशन फास्ट-2' के अंतर्गत टेलीकाम कंपनियों के सहयोग से आपरेशन फेस चलाया था, जिसमें विभिन्न जिलों प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी सामने आई है।

सिम कार्ड से बैंक में अकाउंट खुलवाकर ओटीपी लेते हैं: साइबर मुख्यालय के मुताबिक विंध्य क्षेत्र में ठगों ने मजबूत नेटवर्क तैयार कर लिया है, जिससे उन्हें म्यूल खाते खुलवाने, अवैध तरीके से सिम कार्ड हासिल करने में आसानी होती है। बता दें कि इन सिम कार्ड का उपयोग बैंक खाता खुलवाने और ओटीपी प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

भोपाल में सर्वाधिक चार एफआईआर दर्ज कर सात आरोपियों और राजगढ़ में तीन प्रकरण दर्ज कर सात आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। भोपाल, राजगढ़ के अलावा इस तरह के मामले बालाघाट, रीवा, विदिशा, नरसिंहपुर, ग्वालियर, सीधी, सिंगरौली, कटनी, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम, झाबुआ, देवास, मंदसौर सीहोर और दमोह जिलों में भी सामने आए हैं।

खुले में कचरा फेंका, जलाया तो जुर्माना करेगा निगम

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भोपाल में मीटिंग; पार्षद बोले-क्या हमारे पास पैसा है?

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के ISBT स्थित निगम के मीटिंग हॉल में मंगलवार को ठोस अपशिष्ट एवं प्रबंधन के नए नियमों पर प्रजेंटेशन दिया गया। एक्सपर्ट अतुल खरे ने बताया कि खुले में कचरा फेंक या जलाया तो निगम सख्ती करते हुए जुर्माना करेगा। बिना निगम की अनुमति से यदि 100 लोगों का कार्यक्रम भी कर रहे हैं तो निगम को 3 दिन पहले जानकारी देना होगी।

नियमों के बीच मोहम्मद सरवर, योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, मो. रियाज, शिरीन खान, अजीजउद्दीन समेत कई कांग्रेस पार्षदों ने सवाल भी उठाए। इस मीटिंग में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे मो. सरवर ने कहा कि पॉलीथिन पर भोपाल में ठोस कार्रवाई नहीं होती। सख्ती करेंगे तो ही ये नियगम लागू होंगे। सूखा-गीला कचरा अलग-अलग उठाया जाता है, लेकिन कई क्षेत्रों में अलग ही तस्वीर है। यदि नाली साफ की जाती है तो कचरा बाहर ही रख दिया जाता है, क्योंकि गाड़ी वाले ये ले जाते नहीं है। ऐसे में यही कचरा सूखने के बाद इधर-उधर फेलता है।

सफाई से जुड़ी कई दिक्कतें हैं, लेकिन उन्हें दूर करने की बात नहीं हो रही। सिर्फ कानून बनाने का ही प्रजेंटेशन हुआ है। पहले ही हम आम जनता से स्वच्छता शुल्क वसूल रहे हैं। नए नियमों से और बोझ पड़ेगा। कई जगह तो ड्राइवर ही गाड़ी में कचरा भरवा रहे हैं।

पार्षद गुड्डू चौहान ने कहा कि यहां नए नियम की बात तो की जा रही है, लेकिन क्या हमारे पास संसाधन है पैसा है सिर्फ बोलने से काम नहीं चलेगा। वार्ड की कचरा गाड़ी यदि खराब हो जाए तो उस वार्ड का कचरा 5 दिन तक नहीं उठता है। कर्मचारियों की कमी है। इनकी संख्या बढ़ाई जाए।

बीजेपी पार्षद विलास राव घाड़गे ने कहा कि उनके वार्ड में कर्मचारियों की संख्या हर साल कम हो रही है, लेकिन कचरा ज्यादा निकल रहा है। इसलिए सभी वार्डों में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए। बीजेपी पार्षद देवेंद्र भार्गव ने कहा कि पॉजिटिव रहे। नए नियमों से स्वच्छता ही बढ़ेगी। बड़े उद्योगपतियों से सख्ती से वसूली की जानी चाहिए।

कांग्रेस पार्षद देवांशु कंसाना ने कहा कि मेरे वार्ड की एक झुग्गी से आंधी की वजह से गिरा पेड़ छह दिन में ही उठा। यदि एक छोटे से काम में इतना वक्त लगेगा तो समझ सकते हैं कि काम की रफ्तार कितनी है इससे मैं हताश हूं।

कंसाना की बात पर बीजेपी पार्षदों की आपत्ति: बैठक के दौरान कांग्रेस पार्षद कंसाना ने गिरे पेड़ को हटाने और सफाई व्यवस्था पर जब बात की तो बीजेपी पार्षद बृजला सचाण ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि हमारे यहां तो कोई दिक्कत नहीं है। अन्य बीजेपी पार्षदों ने भी यह बात दोहराई।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।